भोपाल, शुक्रवार
04
अप्रैल 2025

दैनिक
मध्य स्वर्णिम

यह क्यूआर कोड स्केन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 ▪ अंक-219 ▪ पृष्ठ-08 ▪ मूल्य-₹02

वक्फ़ का बदल गया वक्त, अब देश में केवल 'उम्मीद'

नई दिल्ली। देश में बहुचर्चित वक्फ संशोधन बिल लोकसभा और राज्यसभा से पारित हो गया। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है।अब इस बिल को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मुहर लगने के बाद यह बिल कानून के रूप में देश में वक्फ संपत्तियों पर लागू हो जाएगा।वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के पारित होते ही वक्फ कानून में बड़े बदलाव होंगे।

दरअसल,लोकसभा चुनाव में 240 सीट जीतने के बाद राजनैतिक समीक्षकों ने यह समझाने की कोशिश की थी,कि जदयू और तेलगू देशम के सहयोग से केंद्र में चलने वाली मोदी सरकार कुछ कमजोर होगी और देश में कड़े और बड़े फैसले लेने से बचेगी। लेकिन,वक्फ संशोधन बिल में अपना फ्लोर मैनेजमेंट का शानदार प्रदर्शन करते हुए बिल पेश भी किया और पास भी करा लिया। उम्मीद के कानून बनने के 6 महीने के भीतर हर वक्फ संपत्ति को सेंट्रल डेटाबेस पर रजिस्टर्ड करना अनिवार्य होगा। वक्फ में दी गई जमीन का पूरा ब्यौरा ऑनलाइन पोर्टल पर 6 महीने के अंदर अपलोड करना होगा और कुछ मामलों में इस टाइम लिमिट को बढ़ाया भी जा सकेगा।वक्फ को डोनेशन में दी गई हर जमीन का ऑनलाइन डेटाबेस होगा और वक्फ बोर्ड इन प्रॉपर्टीज के बारे में किसी बात को छिपा नहीं पाएगा। किस जमीन को किस व्यक्ति ने डोनेट किया, वो जमीन उसके पास कहां से आई, वक्फ बोर्ड को उससे कितनी इनकम होती है, उस प्रॉपर्टी की देख-रेख करने वाले 'मुतव्वली' को कितनी तनख्वाह मिलती है, ये जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर मुहैया होगी। इससे वक्फ की प्रॉपर्टीज में ट्रांसपरेंसी आएगी और वक्फ को होने वाला नुकसान भी कम होगा।

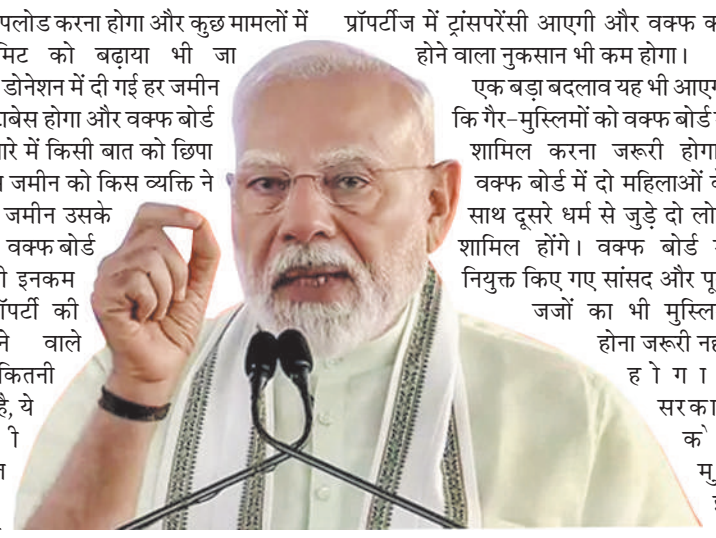

एक बड़ा बदलाव यह भी आएगा कि गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्ड में शामिल करना जरूरी होगा। वक्फ बोर्ड में दो महिलाओं के साथ दूसरे धर्म से जुड़े दो लोग शामिल होंगे। वक्फ बोर्ड में नियुक्त किए गए सांसद और पूर्व जजों का भी मुस्लिम होना जरूरी नहीं होगा। सरकार के मुताबिक इस प्रावधान से वक्फ में पिछड़े और गरीब मुस्लिमों को भी जगह मिलेगी और वक्फ में मुस्लिम महिलाओं की भी हिस्सेदारी होगी।

वक्फ़ बिल के जरिए मोदी सरकार ने बता दिया - मजबूर समझने की गलती न करें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मप्र वक्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डा. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट कर लोकसभा में वक्फ़ बिल पास होने पर केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभारव्यक्त किया।

सिविल कोर्ट या हाईकोर्ट में अपील करना मुमकिन

बिल में कहा गया है कि अब डोनेशन में मिली प्रॉपर्टी ही वक्फ की होगी। जमीन पर दावा करने वाला ट्रिब्यूनल,रेवेन्यू कोर्ट में अपील कर सकेगा। साथ ही सिविल कोर्ट या हाईकोर्ट में अपील हो सकेगी। ट्रिब्यूनल के फैसले को चुनौती दी जा सकेगी। मामले में वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ 90 दिनों में रेवेन्यू कोर्ट, सिविल कोर्ट और हाई कोर्ट में अपील दायर करने का लोगों के पास अधिकार होगा, जो मौजूदा कानून में नहीं है।केंद्र और राज्य सरकारों के पास वक्फ के खातों का ऑडिट कराने का अधिकार होगा, जिससे किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को रोका जा सकेगा। वक्फ बोर्ड सरकार को कोई भी जानकारी देने से मना नहीं कर सकता और वक्फ बोर्ड ये भी नहीं कह सकता कि कोई जमीन सैकड़ों साल पहले से किसी धार्मिक मकसद से इस्तेमाल हो रही थी तो वो जमीन उसकी है। बता दें कि वर्ष 1950 में पूरे देश में वक्फ बोर्ड के पास सिर्फ 52 हजार एकड़ जमीन थी, जो वर्ष 2009 में 4 लाख एकड़ हो गई।

@खबर संक्षेप

सुप्रीम कोर्ट ने किया पटाखों पर बैन हटाने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लंबे समय से यहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की बेंच ने कहा कि सड़कों पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होते हैं। हर किसी के पास अपने घर या कार्यस्थल पर वायु शुद्धिकरण यंत्र लगाने की सुविधा नहीं होती।सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पिछले छह महीनों में इस अदालत ने कई आदेश दिए हैं, जो दिखाते हैं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब रही है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य का अधिकार हर नागरिक का हक है, जिसमें स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है।' सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बेहद कम प्रदूषण होता है, तब तक इस बैन पर दोबारा विचार करने का सवाल ही नहीं उठता। कोर्ट के अनुसार, दिल्ली में जो असाधारण स्थिति बनी हुई है, उसके चलते पटाखों पर रोक लगाना बिल्कुल जरूरी है।शीर्ष अदालत ने कहा कि समय-समय पर पारित आदेशों से यह संकेत मिलता है कि पटाखों के उपयोग पर निर्देश और प्रतिबंध दिल्ली में मौजूदा असाधारण स्थिति के मद्देनजर बहुत जरूरी थे।

शराबबंदी के बाद उज्जैन में सघन हुई चेकिंग

उज्जैन। मध्यप्रदेश के 19 क्षेत्रों में 1 अप्रैल से लागू की गई शराबबंदी के बाद अब उज्जैन में नए नियम लागू हो चुके हैं, जिसके तहत नगर निगम की परिसीमा में शराब के विक्रय पर रोक लगा दी गई है। स्थिति यह बन चुकी है कि भगवान कालभैरव के दर्शन करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भी मंदिर के बाहर भगवान को भोग लगाने के लिए शराब नहीं मिल पा रही है।नए नियमों के तहत नगर निगम की परिसीमा में शराबबंदी किए जाने से कालभैरव को मदिरा का भोग लगाने के लिए श्रद्धालुओं को अब अपने साथ ही शराब खरीदकर मंदिर पहुंचना होगा। क्योंकि, यह मंदिर नगर निगम की सीमा के अंतर्गत आता है। इसीलिए मंदिर के बाहर उन्हें कालभैरव को मदिरा का भोग लगाने के लिए शराब नहीं मिल रही। शराबबंदी के नियमों का पालन करने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह सख्त है। यही कारण है कि शहर में आने वाले मुख्य मार्गों पर चेकिंग की जा रही है और निर्धारित मात्रा से अधिक शराब ले जाने वाले लोगों को पकड़कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।धार्मिक नगरी उज्जैन में शराबबंदी लागू होने के बाद इसका पालन भी शुरू हो चुका है।

पुरानी देनदारियां चुकाने वाला पहला राज्य मध्यप्रदेश

वित्तीय प्रबंधन पर जोर देने से औद्योगिक गतिविधि जन हितैषी कार्यों का विस्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश का वित्तीय प्रबंधन सुधर रहा है और सरकार के तमाम विभाग अपनी पुरानी वर्षों से लंबित देनदारियों को चुकाने में लगे हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार के कुशल वित्तीय प्रबंधन के फलस्वरूप तमाम विभाग अपनी पुरानी देनदारियों को चुका रहे हैं। इससे सरकार ने बजट का जो पैमाना तय किया है, उसके अनुसार विभाग काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दो दिन पहले ही उद्योग विभाग ने लगभग 5,225 करोड़ की धनराशि देते हुए पूरी देनदारी चुका दी है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने अपनी पुरानी देनदारियों को चुका दिया है। सीएम ने कहा कि वर्तमान दौर में औद्योगिक विकास का सरकार ने जो संकल्प लिया है, कि जो भी उद्योग हमसे जुड़ेगा और उससे जो वादा किया है, उसे पूरा किया जाएगा। इसी क्रम में नए वित्तीय वर्ष, 1 अप्रैल 2025 को मध्य प्रदेश के ऊर्जा विभाग द्वारा सभी केंद्रीय कोयला कंपनियों की बकाया देनदारी का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है।

साथ ही हमने पावर जनरेशन कंपनी के चारों ताप विद्युत गृह द्वारा कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप अब तक का सर्वाधिक 11.73 लाख मीट्रिक टन कोयले का भंडारण किया गया है, जिसका अग्रिम भुगतान कर दिया गया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुशल वित्तीय प्रबंधन और सभी के सहयोग से सरकार हर क्षेत्र में अपने तय लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 वर्ष तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई है, जिससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर ही अपने अधिकारी-कर्मचारियों की बेहतरी का ध्यान रख पा रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पुरानी सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया।मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में सभी विभागों की समीक्षा बैठक की। मुख्य सचिव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभागीय योजनाओं के लक्ष्य पूरा होने की जानकारी ली। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की लक्ष्यपूर्ति के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विजन 2047 के अंतर्गत विभागीय कार्य योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की और संकल्प पत्र में सभी विभागों से जुड़े संबंधित बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उनकी वर्तमान स्थिति का भी आकलन किया।

भारत-थाईलैंड सांस्कृतिक और आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं: मोदी

बैंकॉक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध हैं। ये संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने भारत-थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है।पीएम मोदी ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। जिसके बाद उन्होंने शिनावात्रा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान थाई सरकार ने 18वीं सदी के %रामायण% भित्ति चित्रों पर आधारित डाक टिकट जारी किए, जिसके लिए पीएम मोदी ने थाई सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा के दौरान डाक टिकट जारी करने के लिए मैं थाई सरकार का आभारी हूं। इसके अलावा, पीएम मोदी ने 28 मार्च को थाईलैंड में आए भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत के लोगों की तरफ से भूकंप में हुई जनहानि के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

1.25 लाख से ज्यादा किसानों से 10.25 लाख हजार मीट्रिक टन गेहूँ खरीदी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार 735 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 1794 करोड़ 82 लाख रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है।जिला उज्जैन में एक लाख 93 हजार 362, सीहोर में एक लाख 61 हजार 737, देवास में 90 हजार 740, शाजापुर में 92 हजार 613, इंदौर में 69 हजार 558, भोपाल में 74 हजार 75, राजगढ़ में 66 हजार 47, मंदसौर 42 हजार 909, आगर मालवा में 40 हजार 550, धार में 33 हजार 249, विदिशा में 54 हजार 474, हरदा में 24 हजार 45, खण्डवा में 16 हजार 654, रतलाम में 19 हजार 743, नीमच में 6362, नर्मदापुरम में 8140, झाबुआ में 5710, रायसेन में 14183, बैतूल में 2431, दमोह में 3557, खरगौन में 565, गुना में 1057, सागर में 1053, नरसिंहपुर में 221, छिंदवाड़ा में 185, अशोकनगर में 119, सिवनी में 1313, सतना में 926, मण्डला में 90, दतिया में 43 और अलीराजपुर में 24, मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है।

खंडवा में कुएं की सफाई करने उतरे 8 लोगों की मौत

कुएं के दलदल में फंसे, गैस बनने की वजह से चपेट में आए

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में गणगौर उत्सव के दौरान बड़ा हादसा सामने आया है। यहां गणगौर मैया के विसर्जन के लिए गांव के कुएं की सफाई करने उतरे आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कुंए के आसपास जमा है।

जानकारी के अनुसार हादसा जिले के छैगांव माखन तहसील में आने वाले कोंडावत गांव में हुआ है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन से पहले गांव के कुएं को साफ करने करीब पांच लोग उतरे थे, पर काफी देर तक जब वे वापस नहीं आए तो तीन लोग और उन्हें तलाशने कुएं में उतरे, पर वो भी नहीं लौट सके। बाद में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर फिलहाल छैगांव माखन थाने की पुलिस टीम पहुंची। उन्होंने एंबुलेंस एवं क्रेन बुलवाई और लोगों की तलाश शुरू की गई। सात लोगों के शव निकाल लिए गए हैं, आठवें की तलाश के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। सवा आठ बजे आठवें शव को भी निकाल लिया गया।

कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि शाम करीब 4 बजे घटना की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि गणगौर की मूर्तियों के विसर्जन के लिए कुएं में सफाई करने पांच लोग कुएं में उतरे थे। प्रथमदृष्टया कुएं में गैस बनी होगी, जिससे वे बाहर नहीं आ सके। उन्हें बचाने तीन लोग बाद में कुएं में उतरे। दुर्भाग्यवश वे भी बाहर नहीं आ सके।

इन लोगों की हुई मौत

हादसे में जो लोग मारे गए हैं, उनकी पहचान राकेश पिता हरी, वासुदेव पिता आशाराम, गजानंद पिता गोपाल, मोहन पिता मंशाराम, अजय पिता मोहन, शरण पिता सुखराम, अनिल पिता आत्माराम सभी जाति कुन्बीपटेल निवासी कोंडावत के रूप में की गई है। अर्जुन पिता गोविंद का शव करीब आठ बजे निकाला जा सका।

90 दिनों तक चलने वाले महाअभियान में बूंद-बूंद जल सहेजने कि चिंता

जल गंगा संवर्धन अभियान- जनशक्ति से जलसंरक्षण

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण में जनता की भागीदारी का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उन्होंने 'खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में' के सिद्धांत को अपनाने पर जोर दिया है। इसी सोच को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य- 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के द्वारा जल संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ-साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, जल स्त्रोतों के आस-पास पौध रोपण के कार्य प्राथमिकता पर किये जा रहे हैं। इसके साथ ही समाज की सहभागिता के लिए जल संरक्षण जागरूकता के कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान जनप्रतिनिधि और जनमानस बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं।

गुरुवार को जनपद शिवपुरी की सतेरिया पंचायत में प्राचीन तालाब की गाद निकालने, अनावश्यक झाड़ियों की सफाई के लिए विधायक शिवपुरी श्री देवेन्द्र जैन ने ग्रामवासियों के साथ श्रमदान किया। विधायक देवेन्द्र जैन ने कहा कि आप पानी बचाएंगे तभी पानी आपको बचाएगा। हम सभी को जल संरक्षण की दिशा में एकजुट प्रयास करने होंगे, तभी आगे की पीढ़ी को पानी मिल पायेगा। एक एक बूँद संरक्षित करने के लिए हर व्यक्ति को प्रयास करने होंगे, तभी इस अभियान की सार्थकता होगी इंदौर जिले के ग्राम जलोदकेऊ में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

90 दिवसीय महाअभियान में बनेंगे 1 लाख जलदूत

90 दिवसीय इस महाअभियान में सीएम मोहन हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे. इनमें 90 लघु और मध्यम सिंचाई प्रोजेक्ट का लोकार्पण, 50 से अधिक नदियों के वॉटर शेड क्षेत्र में जल संरक्षण व संवर्धन प्रमुख है.इस महाअभियान के तहत प्रत्येक गांव से 2 से 3 महिला-पुरुष का चयन कर प्रदेश में 1 लाख जलदूत तैयार किए जाएंगे.पंचायत स्तर पर तालाबों के निर्माण, वन्य जीवों के लिए वन क्षेत्र और प्राणी उद्यानों में जल संरचनाओं के पुनर्विकास के कार्य किये जाएंगे. लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे और ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जल स्त्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सार्वजनिक करेंगे अपनी संपत्ति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। शीर्ष अदालत में हुई न्यायाधीशों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित 30 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्तियों को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के मुताबिक एक अप्रैल को हुई बैठक में जजों ने संकल्प लिया कि न्यायाधीश जब भी पदभार ग्रहण करेंगे या कोई अहम जिम्मेदारी लेंगे तो उनको मुख्य न्यायाधीश के सामने अपनी संपत्ति की घोषणा करनी होगी।अब तक 1997 के एक प्रस्ताव के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति की घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी होती थी। 2009 के एक निर्णय में न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति घोषणा के स्वैच्छिक प्रकाशन की अनुमति दी गई थी, लेकिन सभी न्यायाधीशों ने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना।

@POLYTOON

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

गुरुद्वारे में लगा निशुल्क नेत्र जांच शिविर

परासिया। गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा परासिया में गुरूवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। जबलपुर के नेत्र चिकित्सालय ने गुरुद्वारे में लगाए गए शिविर में निशुल्क नेत्र जांच की। शिविर में बडी संख्या में लोगों की आंखो की जांच की गई। इनमें से आपरेशन योग्य पाए गए लोगों के मोतियाबिंद के आपरेशन जबलपुर में किए जाएंगे। गुरुवार को चार बजे मरीज जबलपुर भेजे गए। शेष मरीजों को 5 अप्रेल को भेजा जाएगा। गुरुद्वारे से सरदार गुरदीप सिंह,, अवतार सिंह सहोता, ने सेवा कार्य किया। गौरतलब है कि गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा परासिया में प्रतिमाह तीन तारीख को नेत्र जांच शिविर लगाया जाता है। गुरुद्वारे से अवतार सिंह सहौता ने बताया कि जांच और आपरेशन पूरी तरह निशुल्क होता है। परासिया में जांच कर जबलपुर में आपरेशन किए जाते है। आने जाने, आपरेशन, दवाईयां और चश्में का खर्च पूरी तरह फी रहता हैं। लोग प्रतिमाह शिविर में आकर जांच करा सकते है।

हनुमान मंदिर कोसमी में छह दिनों तक लगातार होंगे महाअभिषेक

परासिया। छिंदवाडा मार्ग पर सिद्धपीठ हनुमान मंदिर कोसमी में अप्रेल माह में छह दिनों तक लगातार महाभिषेक किया जाएगा। छह अप्रेल से ग्यारह अप्रेल तक महाभिषेक होगा। इसके साथ ही प्रतिमा का श्रंगार भी प्रतिदिन किया जाएगा। जय श्रीराम ग्रुप ने मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भक्तों से शामिल होने की अपील की है। जय श्री राम ग्रुप एवं हनुमान मंदिर समिति कोसमी लगातार बैठके कर आयोजन की रूपरेखा बनाने में जुटे है। 6 अप्रैल को दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव एवं राम जी का महा अभिषेक भी किया जाएगा ।8 अप्रैल को जिला स्तरीय विशाल इनामी जस प्रतियोगिता रखी गई है ।ं प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपए द्वितीय पुरस्कार 15 हजार, तृतीय पुरस्कार इस हजार , चतुर्थ पुरस्कार 7हजार और पंचम पुरस्कार पांच हजार रखा गया है। 12 अप्रैल को महाप्रसाद भंडारा एवं संध्याकालीन विशाल देवी जागरण गायिका राधिका यदुवंशी द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। छह दिनों के विशेष श्रंगार में छह अप्रैल को नारियल किस एवं केसर के वस्त्र 7 अप्रैलको तिल के वस्त्र, 8 अप्रैल मोर पंख के वस्त्र, 9 अप्रैल आर्टिफिशियल नाग एवं मोती के वस्त्र 10 अप्रैल रुद्राक्ष के वस्त्र, 11 अप्रैल 10 के नोट के वस्त्र का श्रंगार किया जाएगा।

आशा सुपरवाईजं को अपडेट अनमोल एप का दिया प्रशिक्षण

परासिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासिया में गुरुवार को अनमोल एप के अपडेट वर्जन का प्रशिक्षण आशासुपरवाईजर को दिया गया। कार्यक्रम में बीएमओ डा शशि अतुलकर, बीपीएम अनूप साहू ने गर्भवती माताओं का पंजीयन करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण में सभी आशा सुपरवाईजर उपस्थित रही। इससे पहले एएनएम और सीएचओ को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मॉस्टर ट्रेनर अनूप साहू और मनीष परसाई ने प्रशिक्षण दिया। अनमोल एप में गर्भवती माताओं का पंजीयन किया जाता है। आशा, आशा सुपरवाईजर, एएनएम और सीएचओ फील्ड का स्टाफ होते है।

फ्लावर वेल का शत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

परासिया। फ्लावरवेल हायर सेकेंडरी स्कूल चांदामेटा ने कक्षा पांचवीं और आठवीं का परिणाम शत-प्रतिशत हासिल किया है। शाला में कक्षा 8 वी में स्वाति शर्मा ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान एवं दिव्यांशी मेहरा ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पाया। श्रष्टि बुनकर ने 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं कक्षा 5 वी में अर्शील मंसूरी ने 81 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, रौनक बघेल 80 प्रतिशत के साथ द्वतीय स्थान एवं आयात खान 77 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

कार ने दो बाइक सवारो को मारी टक्कर, एक की मौत मृतक के फिंगर प्रिंट से मोबाइल का खोला लॉक

सागर से आ रही कार ने बाइक को मारी टक्कर से बाइक के उड़े परखच्चे

रायसेन। गुरुवार को शहर के सागर रोड पर स्थित टपरा पठारी के पास एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को टक्कर मार दी। एक बाइक कार के बोनट में फंस गई, जिसे चालक 200 मीटर तक घसीटता ले गया,वही हादसे के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया। घटना में भिंड के गोहद तहसील निवासी सतीश उपाध्याय 40 बर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी बाइक कार में फंसी थी।

दूसरी इलेक्ट्रिकल बाइक पर सवार भोपाल निवासी दंपती हीरालाल यादव और मोहिनी यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को भोपाल रेफर किया गया है। सागर की ओर से आ रही कार ने पहले सतीश की बाइक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे

उड़ गए। राहगीरों ने 108 एम्बुलेंस और कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

मृतक की उंगली से फोन का लॉक खोला

मृतक की पहचान उनके मोबाइल से हुई। जिला अस्पताल में स्थानीय लोगों और विजय राठौड़ ने मृतक के कपड़ों की तलाशी ली, जिसमें एक लॉक्ड मोबाइल मिला। मृतक की उंगली से फोन का लॉक खोला गया। मोबाइल में मौजूद ज्योति नाम से सिर्फ एक नंबर पर कॉल किया तो पता चला कि उनका नाम सतीश उपाध्याय है और वे भिंड के गोहद निवासी हैं और रायसेन में किसी प्राइवेट कंपनी में जॉब करते थे।

कार चालक बाइक को घसीटता हुए ले गया

घटना के प्रत्येकदर्शी रिक्की पाठक शहर के वार्ड 13 अशोकनगर निवासी के अनुसार वह किसी काम से सागर की ओर जा रहे थे इसी दौरान एक कार ने दो बाइक को टक्कर मारी, एक बाइक कार के नीचे फंस गई जिसे चालक काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। मेरे द्वारा 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल के डॉ साकेत वर्मा ने बताया की एक्सीडेंट के बाद तीन घायलों को जिला अस्पताल लाया गया था, जिसमें से एक बाइक पर सवार पति-पत्नी के हाथ और सर में चोट लगी है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद उनके कहने पर भोपाल रेफर किया गया है। जबकि दूसरे बाइक सवार की मौत हुई है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के रायसेन अध्यक्ष बने डॉ दीपक गुप्ता

रायसेन। सांची की गेटवे रिट्रीट होटल में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तरफ से विदिशा एवं रायसेन शाखा की संयुक्त बैठक आयोजित की गई जिसमें रायसेन शाखा की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ एम के जैन राज्य संयुक्त सचिव डॉ राजेश जैन की विशेष मौजूदगी में रायसेन की नवीन कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें जिसमें अध्यक्ष डॉ दीपक गुप्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ को बनाया गया एवं उपाध्यक्ष डॉ सुनीता अतुलकर,सचिव डॉ एके शर्मा सेवानिवृत सिविल सर्जन एवं कोषाध्यक्ष डॉ अरूण जारोलिया को नियुक्त किया गया। बैठक में रायसेन सीएमएचओ डा दिनेश खत्री ,सिविल सर्जन डा अनिल ओढ़,डा. एसी अग्रवाल,डा. एस एस कुशवाह,डा. आलोक राय सहित अन्य चिकित्सकगण भी उपस्थित रहे।

विश्व हिंदु परिषद, बजरंग दल ने एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन

परासिया। विश्व हिंदु परिषद और बजरंग दल ने परासिया एसडीओपी को गुरुवार को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में हिंदुओ और उनके धार्मिक आराध्य के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी कर धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले जबलपुर के स्कूल संचालक के विरुद्ध कार्रवाई कर गिरफ्तार करने की मांग की गई। गौरतलब है कि जबलपुर के जाय स्कूल के संचालक अखिलेश मैंबन ने भगवान राम और हिंदुओं को लेकर अमर्यादित अशोभनीय टिप्पणी की। एफआईआर होने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज नेताओं ने पुलिस को ज्ञापन सौंपा।

उमरेठ की शिवानी पवार, तामिया की भावना डेहरिया ने बढाया गौरव

राज्य सरकार ने विक्रम अवार्ड देने की घोषणा की

परासिया। प्रदेश शासन ने वर्ष 2023 के खेल के क्षेत्र में दिए जाने वाले विक्रम अवार्ड की घोषणा आज की। छिंदवाडा के खाते में दो विक्रम अवार्ड आए है। उमरेठ की पहलवान शिवानी पवार और तामिया की पर्वतारोही भावना डेहरिया को अवार्ड दिए जाने की घोषणा की गई है।

शिवानी पवार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी है। उमरेठ के नंदलाल पवार की वे पुत्री है। कुश्ती में राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा चुकी है। कनाडा के विनिपेग में शिवानी ने वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में गोल्ड मैडल जीता था। शिवानी पवार के पिता नंदलाल पवार किसान है। साधारण मध्यमवर्गीय परिवार की उमरेठ की बेटी ने इतिहास रच दिया। भावना डेहरिया तामिया में निवास करती है। मन्नूलाल डेहरिया की पुत्री है। माउंड एवरेस्ट फतह कर उन्होंने इतिहास रचा था। क्षेत्र की एकमात्र पर्वतारोही के बर्तार वे जानी जाती है। तामिया से निकलकर दुनिया के सर्वोच्च शिखर को छूकर उन्होंने महिलाओं में एक नया जज्बा जगाया था। दक्षिण अमेरिका की चोटियों को भी वे फतह कर चुकी है।

उनके पिता मन्नुलाल डेहरिया ने आज इस अवार्ड की जानकारी दी। क्षेत्र के लोगों ने उन्हे शुभकामनाएं दी है। भावना ने दक्षिण अमेरिका की सबसे उंची चोटी माउंट एकानकागुआ 6961 मीटर को फतह किया था। विक्रम अवार्ड की घोषणा के बाद अपने सोशल नेटवर्क वाल पर उन्होंने इसे गर्व और सम्मान का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि साहसिक खेलों को बढावा देने और युवाओ को अपनी उंचाईयों को छूने के लिए प्रेरित करने के लिए समर्पित है।

भाजपा ने हिडली मंडल कार्यकारिणी घोषित की

बैतूल। *भारतीय जनता पार्टी के संभागीय संगठन प्रभारी पंकज जोशी, केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके, जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन, जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार , विधायक महेन्द्रसिंह चौहान की सहमति से हिडली मंडल अध्यक्ष सुनिल टेकपुरे ने मंडल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।*

घोषित मंडल समिति में छह उपाध्यक्ष, दो महामंत्री, छह मंत्री एवं एक कोषाध्यक्ष की घोषणा की गई है। हिडली मंडल की घोषित मंडल समिति में उपाध्यक्ष रामाजी इवने (हिडली), सुरेश वसंतपुरे (कावला),सुभाष सिलधरे (देहगुड), स्वदेश बालापुरे (अंबाडा), धर्मराज साहू (वडाली), बाली दिनेश उइके (हिडली), महामंत्री डा.हेमराज गढेकर (कोयलारी), जयप्रकाश मौसिक (कावला), मंत्री सुगरी बाई (गौडीघोघरा), सरोज रामप्रसाद जितपुरे (हिडली), आनंद टेकपुरे (हिडली), चिंताराम झाडे (अक्कलवाडी), लीला सददूलाल धुर्वे (नढा),सरस्वती उमेश कुमरे (आष्टा) एवं कोषाध्यक्ष हेमराज वागद्रे (बाकुड) को बनाया गया है। और नागोराव झोड, संजू बारस्कर, डा.प्रमोद नरवरे, रामदास इवने, मनीता आनंद धुर्वे, शोभा संजय मानकर, पूर्णिमा सतीश धाकड, मीना सुनील टेकपुरे, आशा रामप्रसाद तायवाडे, रोशनी इवने, मालती सालकराम जितपुरे, चंदा दिनेश पाटनकर, रीता राजेश झाडे, कविता मिथलेश लहरपुरे, डा.जुगल लहरपुरे, राजेश बसंतपुरे, नंदलाल नागले, अंजू रामभाउ परते, प्रियंका अरूण धुर्वे, ओमनाथ बारस्कर, कन्हैया वर्मा, श्यामजी उइके, योगेश झाडे, पुसा आहके, जगदीश लोखंडे, लीला आहके, शकुंतला रमेश चौहान, प्रहलाद साहू, मुरली झाडे, सुदामा खाकरे, गंगाधर भालेकर, विकास आजाद, झामूलाल इवने, मनोहर ठाकरकर, विनोद उइके, मारूती कापसे, पवन आकोले, गौरीशंकर लहरपुरे, भूतासिंग उइके, किसन वर्टी, कैलाश कवडे, शिवकिशोर हारोडे, धर्मेन्द्र गणेशे, अजय इवने, धांधु झाडे, उमेश सराटकर और साधुराम पांसे को कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है।

उमरेठ की शिवानी पवार, तामिया की भावना डेहरिया ने बढाया गौरव
गौरलोनापठार में पति ने पत्नी को लोहे के पाईप से पीटा

हाथ और पैर मे आया फेक्चर, महुआ बेचकर शराब पीने को लेकर हुआ विवाद

परासिया। न्यूटन पुलिस चौकी क्षेत्र के लोनापठार में पति ने पत्नी को लोहे के पाईप से बुरी तरह पीटा। घटना गुरुवार दोपहर की है। महिला को पुलिस ने परासिया अस्तपाल लाकर मुलाहजा कराया। महिला के हाथ और पैर में फ्रेक्चर है। सिर पर बंधी चोट है।

घटना को लेकर महिला राजकुमारी युवनाती ने बताया कि उनका परिवार गेहूं की फसल काटने के लिए लिए मजदूरी करने पैजनवाडा गया था। एक सप्ताह तक वे लोग

वहीं रहे थे। उनके बेटे को वे गांव में ही छोडकर गए थे। इस दौरान बेटे ने महुआ बीनकर इकट्ठा करके रखा था। आज महुआ कम दिखा और पति अशोक शराब के नशे में दिखा। उसने पति से पूछा कि महुआ कम दिख रहा है और तुम पिये हुए हो। पति इससे नाराज हो गया।पत्नी से बोला कि महुआ चोरी का इलजाम लगा रही है।

उसने पाईप उठाया और महिला को बेरहमी से मारा। बांए पैर पर घुटने के उपर वार से फ्रेक्चर आया। दाहिने हाथ में कोहनी के नीचे हडडी टूटी । सिर पर किए गए वार को महिला ने बचा लिया। लेकिन इससे बंधी चोट आई। सिर का वार नहीं बचता तो महिला के साथ गंभीर स्थिती बन जाती।

3 एकड़ फसल में लगी आग लाखों का हुआ नुकसान, फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने नही उठाया फोन

रायसेन। माना बिलेटा गांव में बुधवार रात 12 बजे नरवाई की आग पास के खेत में खड़ी गेहूं की फसल तक पहुंच गई। आग की लपटें देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पेड़.पौधों की टहनियों से आग बुझाने की कोशिश की।

लेकिन तेज हवा के कारण आग और भड़क गई। इस घटना में किसान लालचंद और देवचंद लाल की 3 एकड़ फसल जलकर राख हो गई। दोनों किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने आग को काबू करने के लिए ट्रैक्टर का सहारा लिया। खेत में ट्रैक्टर चलाकर बड़ी मुश्किल से आग पर नियंत्रण पाया। ग्रामीणों ने सूझबूझ से आसपास के खेतों को आग से बचा लियाए नहीं तो और ज्यादा नुकसान हो सकता था।

ग्रामीण विनोद भूरिया ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। लेकिन दोनों ही विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने फोन नहीं उठाया।

सांची में निर्माण कार्यों में हो रही धांधली नोटिस नोटिस का चल रहा खेल

एसडीआरएफ के तहत नाला निर्माण कार्य से पहले ही कर दिया बिल प्रस्तुत

रायसेन। विश्व पर्यटन नगरी सांची की छवि को धूमिल करने में नगर परिषद सांची के जिम्मेदार काम कर रहे है। सांची में होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता किसी से छिपी नहीं है जहां निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार का खेल बदस्तूर जारी है। सांची नगर में एसडीआरएफ के अंतर्गत नाला निर्माण कार्य में मनमानी किए जाने के साथ साथ बिना नाला निर्माण से पहले ही उपयंत्री ने ठेकेदार से मिलीभगत करते हुए भुगतान राशि का बिल लगा दिया।

मामला उजागर होने के बाद भ्रष्टाचार आधी हो गए इस इस सिस्टम में अब नोटिस नोटिस तक कार्रवाई सीमित होकर रह गई है। नगर परिषद सांची में उपयंत्री सीएल चौरे द्वारा नाला निर्माण का दूसरा देयक 10 मार्च 2025 को प्रस्तुत कर दिया जिसमें नाला निर्माण का कार्य 850 मीटर होना बताया गया। जबकि नाला निर्माण हुआ नहीं।

नाला निर्माण कार्य को समझे तो नाला निर्माण का पहला भुगतान 52 लाख रूपए कर दिया गया और दूसरा देयक प्रस्तुत कर दिया जबकि नाला निर्माण का कार्य 1650 मीटर होना था लेकिन बिना निर्माण के दूसरा बिल प्रस्तुत कर देना कहीं ना कहीं उपयंत्री और ठेकेदार की मिलीभगत और कमीशनखोरी की तरफ बड़ा इशारा कर रहा है। इस मामले के सामने आने के बाद नगर परिषद सीएमओ ने मौके पर निरिक्षण किया और पाया भी कि नाला निर्माण का कार्य केवल 1250 मीटर ही हुआ है लेकिन बिल 1650 मीटर का लगा दिया गया है। इस पूरे मामले में सिर्फ नोटिस का खेल जारी है।

उपयंत्री के फर्जी कारनामों की बड़ी फेहरिस्त

सूत्रों की माने तो उपयंत्री सीएल चौरे की गड़बड़ी किए जाने की लंबी फेहरिस्त है लेकिन इसके बाद भी सांची जैसे महत्वपूर्ण नगर के निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी दे दी गई जिससे अब फिर गड़बड़ी होना शुरू हो गए है। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो अन्य निकायों में पदस्थ रहने के दौरान वेतनवृद्धि भी रूकी इनकी और 5 साल से ज्यादा समय तक सस्पेंड भी रहे लेकिन इनके काम करने का रवैया सेटिंग के दम पर ही खड़ा हुआ है। वहीं बैतूल में लकड़ी फर्नीचर मामले में भी इन पर सीधे आरोप लगे।

गरज-चमक के साथ हल्की बारिश, किसान हो रहे, चिंतित गेहूं की फसल खतरे

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने गेहूँ उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण,अधिकारियों को दिए निर्देश

रायसेन। गुरुवार को सुबह बूदा-बादी और शाम को गरज-चमक और तेज आंधी के साथ हल्की बारिश हुई। जिले के दीवानगंज क्षेत्र में भी बारिश दर्ज की गई। पिछले तीन दिनों से जिले में मौसम बदला हुआ था। आसमान में बादल छाए हुए थे और हवाएं चल रही थीं। कई क्षेत्रों में किसान गेहूं की कटाई में लगे हुए हैं।

ऐसे मौसम को देख कर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में फसल कटाई का काम चल रहा है। ऐसे में किसानों की उपज खेतों से

लेकर मंडी और समर्थन मूल्य पर खुले में रखी है। मौसम विभाग ने दो और तीन अप्रैल को ओलावृष्टि के साथ बारिश की चेतावनी जारी की थी। बारिश से बचाव के लिए किसान अपनी फसलों को तिरपाल से ढक रहे हैं और सुरक्षित स्थानों पर ले जा रहे हैं।

वही कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने गुरुवार को आमखेड़ा स्थित वेयरहाउस में बने गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मॉइश्चर मशीन पर गेहूं में नमी का स्तर और इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे में गेहूं के वजन की जांच की। कलेक्टर ने अधिकारियों को किसानों के लिए बैठने की उचित व्यवस्थाए पेयजल और छाया की सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विक्रय के लिए उपज लाने वाले किसानों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

बरारिया निर्माण मटेरियल चोरी करने की हुई शिकायत

ठेकेदार ने की नामजद शिकायत, आरोपी पर कार्रवाई नहीं कर रही पुलिस

परासिया। न्यूटन पुलिस चौकी में एक ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य का मटेरियल चोरी किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई है । पुलिस इस मामले में जांच कर रही है । हालांकि रिपोर्ट करने के बाद भी कार्रवाई में पुलिस विलंब कर रही है।

परासिया निवासी ठेकेदार मोहन तिवारी ने न्यूटन पुलिस को लिखित शिकायत दी है , कि बरारिया में सड़क निर्माण कार्य उनके द्वारा किया जा रहा था। इसके लिए उनके द्वारा बरारिया में ही एक व्यक्ति की निजी भूमि पर रेत , सीमेंट , गिट्टी आदि का भंडारण किया गया था । जिसमें 5 डंपर रेत , 6 डंपर गिट्टी और 30 बेग सीमेंट , जिनकी कुल लागत 2लाख30, हजार 750 रूपये है । जिसे परासिया में रहने वाले विजेन्द्र ब्रम्हे ऊर्फ गुड्डू द्वारा ट्रैक्टर के जरिए चुरा कर ले जाया गया । उससे बात करने पर वह राशि दिलाने की बात करता है । मोहन तिवारी का कहना है , कि उक्त व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज होना चाहिए।, इसके साथ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला भी दर्ज होना चाहिए ।

मोहन तिवारी ने पुलिस को शिकायत की। शिकायत करने के बाद भी पुलिस आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई करने में विलंब कर रही है। मोहन तिवारी ने कहा कि मटेरियल चोरी जाने से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ। वहीं उनका कार्य भी बाधित हुआ। जिसके कारण उन्हें विभागीय कार्रवाई का सामना भी करना पड रहा है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

जेबकटो ने सिटी बस में युवक को बनाया शिकार, 25 हजार की रकम और कागजात उड़ाये

भोपाल। अल्पना टॉकिज तिराहे से सिटी बस में मिसरोद जाते समय एक युवक को जेबकटो ने अपना शिकायत बनाते हुए उसकी जेब में रखी हजारो की नगदी सहित जरुरी दस्तावेज उड़ा दिये। फिरयादी युवक विदिशा से ऑफिस के काम से दस्तावेज और 25 हजार की नकदी लेकर आया था। जानाकारी के मुताबिक कपिल जादौन (42) ने बताया की वह विदिशा का रहने वाले है, और एक कार शोरूम पर नौकरी करते है। बुधवार को वो ऑफिस के काम के सिलसिले में विदिशा से भोपाल आए थे। दोपहर के समय वह विदिशा से ट्रेन से भोपाल पहुंचे और अल्पना टॉकिज से मिसरोद जाने के लिए सिटी बस में सवार हो गए। बस में बैठने के बाद थोड़ी दूर जाने के बाद उन्हें अहसास हुआ की उनकी जेब में रखा सामान गायब है। चेक करने पर पता चला की जेब में रखी करीब 25 हजार की नकदी और कागजात चोरी हो चुके थे। इसके बाद वह मंगलवारा थाने पहुंचे और शिकायती आवेदन दिया। थाना पुलिस ने जॉच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। अज्ञात आरोपी का सुराग जुटाने के लिये पुलिस बस में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है।

रनिंग ट्रैनो में नहीं थम रही चोरी की वारदाते

भोपाल। राजधानी से गुजरने वाली रनिंग ट्रेनों में चोरो का उत्पात जारी है। बदमाश मौका लगते ही प्लेटफॉर्म और कोच से मुसाफिरो का माल बटोरकर चपंत हो जाते है। इसी कड़ी में जहॉ रीवांचल एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक पत्रकार और श्रीधाम एक्सप्रेस से भी एक मुसाफिर का बैग चोरी हो गया। वहीं भोपाल स्टेशन पर बैठी युवती का मोबाइल अज्ञात आरोपी ने चोरी कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी बालेंद्र पांडे ने शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि वह परिवार सहित रीवांचल एक्स के कोच एस/4 में रीवा से रानी कमलापति का सफर कर रहे थे। सफर के दौरान परिवार वाले खाना खाने के बाद अपनी-अपनी बर्थ पर सो गए। अलसुबह करीब साढ़े 5 बजे रीवांचल एक्सप्रेस के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचने पर उनकी नींद खुली तो देखा की उनके सिरहाने रखा साइड बैग चोरी हो चुका था। चोरी गये बैग में मोबाइल, एटीएम, अधिमान्यता कार्ड सहित अन्य सामान रखा था। वहीं राजधानी निवासी शहाना खॉन ने जीआरपी में शिकायत करते हुए बताया कि वह अपना सामान निकालने के लिए भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के क्लाक रूम पहुंची। वहॉ उन्होंने अपना 18 हजार रुपये कीमत का मोबाइल बैंच पर रख दिया और सामान निकालने लगी।

बदमाश नशे में कर रहे थे हंगामा, विरोध करने पर युवक को चाकू मारा

भोपाल। ऐशबाग थाना इलाके में स्थित अफकार कॉलोनी में शराब पीकर हंगामा करने वाले निगरानी बदमाशों का विरोध करने पर आरोपियो ने युवक के साथ मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। हाथ में चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना पुलिस के मुताबिक फरियादी अमन रजा (16) निवासी अफकार कॉलोनी ऐशबाग ने अपनी शिकायत में बताया की वह गोविंदपुरा स्थित एक बेकरी में काम करता है। उसकी कॉलोनी में रहने वाले आकिब बच्चा और फैजान आदतन और थाने के निगरानीशुदा बदमाश हैं। बदमाश शराब पीकर हंगामा करते हुए कॉलोनी में रहने वाले लोगों के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। उनकी हरकतें देख अमन रजा ने उन्हें समझाइश देते हुए वहॉ से जाने को कहा। उसकी बात पर बदमाशों को गुस्सा आ गया और और उन्होनें अमन के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान ही बदमाश आकिब बच्चा ने अपने पास रखा चाकू निकालकर अमन पर वार कर दिया। चाकू का वार हाथ में लगने से अमन बुरी तरह घायल हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसे धमकाते हुए वहॉ से फरार हो गए। बाद में घायल को इलाज के लिये अस्साल पहुंचाया गया इसके बाद उसकी शिकायत पर बदमाशो के खिलाफ मामला कायमक कर उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया की फरार बदमाशो के खिलाफ दो दर्जन से अधिक गंभीर अपराधिक मामले दर्ज हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की हुई बढ़ोतरी

भोपाल। भोपाल नगर निगम का आज बजट पेश किया जा रहा है। 3611 करोड़ का बजट पेश किया गया है। भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

बता दें कि गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ ज्यादा का बजट पेश किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुमानित आय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये के विरूद्ध अनुमानित व्यय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये प्रस्तावित है। राजस्व आय की 5 प्रतिशत रिजर्व राशि एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये रखने के उपरांत एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये संभावित घाटे का बजट सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है।

नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गो पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष निधि हेतु राशि 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। निगम सीमा अंतर्गत स्थित फिल्टर प्लांटों में सौर उर्जा प्लांट की स्थापना कार्य हेतु राशि. 150 लाख का प्रावधान किया गया है। जल सरंचना, हरित क्षेत्र के विकास कार्य हेतु तीन करोड़ का प्रावधान किया गया है। अयोध्या बायपास रोड पर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य हेतु राशि 400 लाख का प्रावधान किया गया है। विसर्जन घाटों का विकास कार्य हेतु राशि 3200 लाख का प्रावधान किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत राशि 500 लाख का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा के समीप सामुदायिक स्थल सह खेल मैदान विकास के निर्माण कार्य हेतु राशि 300 लाख का प्रावधान किया गया है।

बजट में भोपाल शहर में गीता भवन निर्माण कार्य हेतु राशि 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। निगम कर्मचारियों की छात्र/छात्राओं को कक्षा 10वीं व 12वीं में मैरिट प्राप्त किये जाने के फलस्वरूप प्रोत्साहन राशि 10000 प्रति छात्र-छात्रा का प्रावधान किया गया है। शहर में पार्कों के विकास कार्य हेतु राशि 1200 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन हेतु राशि 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शहर के विकास एवं विशेषत: वार्डों के विकास कार्य हेतु प्रति वार्ड 50 लाख रू. वार्ड नियोजन निधि के रूप में कुल राशि रुपये 4250 लाख का प्रावधान किया गया है।

जोन कार्यालय स्तर पर जोन अध्यक्ष निधि अंतर्गत (प्रति जोन 10.00 लाख) राशि 210.00 लाख का प्रावधान किया गया है। छोला दशहरा मैदान के विकास कार्य हेतु राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर के मुख्य मार्गों के सौंदर्गीकरण कार्य हेतु राशि रू. 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। शालाओं में निर्माण/विकास कार्य हेतु शिक्षा उपकर राशि 3065.94 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रकाश व्यवस्था (सड़क एवं चौराहे) हेतु 1500.00 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि रू. 1100 लाख का प्रावधान किया गया है।

अमृत 2.0 योजना अंतर्गत राशि रू. 7546 लाख का प्रावधान किया गया है। व्यवसायिक परिसरों के निर्माण कार्य हेतु राशि रु. 6000 लाख का प्रावधान किया गया है। एनडीआएफ अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि 20000 लाख का प्रावधान किया गया है।

7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोपाल के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,भोपाल सुनीत अग्रवाल की उपस्थित में 07 अप्रैल 2025 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय, कोलार रोड भोपाल में स्वास्थ्य सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुनीत अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल, बी.एम. सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी, भोपाल एवं महाविद्यालय की विधि विभाग प्रमुख अनुष्का नायक ने मां सरस्वती जी की मूर्ति पर हार-फूल अर्पित कर किया।

कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुनीत अग्रवाल ने सभागार में उपस्थित विधि के विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के शिक्षाविदों एवं स्टॉफ को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना हम सभी का कर्तव्य है, यदि हम स्वस्थ हैं तो स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं, हमें इस आधुनिक भागदौड़ की जीवनशैली में जरूरत है पौष्टिक आहार एवं नियमित व्यायाम की। साथ ही जल एवं प्रकृति को संरक्षित करना हम सबका दायित्व है, यदि हम प्रकृति को संरक्षित रखते हैं तो हमें स्वस्थ जल, वायु और आहार मिलेगा यदि प्रकृति ही प्रदूषित रहेगी तो उसका दुष्प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर अवश्य पड़ेगा।

कानूनी जानकारी देते हुए लोक अदालत: योजना, मध्यस्थता योजना, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नि:शुल्क विधिक सहायता योजना, विधिक सलाह एवं साक्षरता योजना एवं प्राधिकरण की विभिन्न स्कीमों की जानकारी देते हुए बताया कि कानून की थोड़ी बहुत समझ सभी को होनी चाहिए जिससे हम अपने हितों की रक्षा कर सकें।

सड़क किनारे खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक का बदमाश ने स्मार्टफोन लूटा

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज थाना इलाके में सड़क किनारे खडे होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक को धक्का देकर अज्ञात बदमाश उसका कीमती स्मार्टफोन छीनकर तेजी से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फरियादी आकाश त्रिपाठी ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की बुधवार रात करीब 11 बजे वह सड़क किनारे खड़े होकर मोबाइल हाथ में पकड़कर रैपिडो बुक कर रहा था। उसी समय अज्ञात बदमाश तेजी से आया और उसे धक्का देते हुए हाथ में पकड़ा 30 हजार कीमत का फोन छीनकर भाग गया। इससे पहले युवक कुछ संभल पाता आरोपी वहॉ से भाग चुका था। शिकायत मिलने पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस उसकी पहचान जुटाने के लिये घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाले रही हैं। वहीं फरियादी द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर भी पुलिस इलाके के सदिंग्धो सहित ऐसे आरोपियो की कुंडली खंगाल रही है, जो मोबाइल लूट की वारदातो को अंजाम दे चुके है, और हाल ही में जेल से बाहर आये है।

महिला बैंककर्मी को डेढ़ साल तक बनाया हवस का शिकार, 3 लाख की रकम भी ऐंठी

शादी तय होने के बाद आरोपी ने किया इंकार

भोपाल। शहर की पिपलानी थाना पुलिस ने इलाके में रहने वाली एक महिला बैंककर्मी की शिकायत पर युवक के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है। आरोप है की दोस्ती होने के बाद आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा देकर करीब डेढ़ साल तक न सिर्फ उसका दैहिक शोषण किया बल्कि उससे करीब तीन लाख रुपए भी ऐंठ लिए। बाद में दोनों की शादी भी तय हो गई थी। लेकिन बाद में आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया।

इसके बाद मामला थाने पहुंचा जहॉ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार व अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी धरपकड़ के प्रयास शुरु कर दिये है। थाना पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 29 साल की युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह बैंक में नौकरी करती हैं। कुछ साल पहले उनकी मुलाकात अशोका गार्डन क्षेत्र में

रहने वाले तरुण धाड़से नामक यवुक से हुई थी। तरुण प्राइवेट नौकरी करता था, लेकिन उससे पहचान के कुछ समय पहले से वह बेरोजगार चल रहा था, और नौकरी की तलाश में था। पीड़िता ने पुलिस को आगे बताया की एक दूसरे का व्यवहार पंसद आने पर जल्द ही उनकी जान पहचान दोस्ती में बदल गई और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे।

इसकी जानकारी दोनो के परिजनों को लगने पर दोनों परिवारों के लोग शादी के लिए तैयार हो गए और रिश्ता भी तय हो गया। आरोप है कि परिवारो के बीच बातचीत तय होने पर नवंबर 2023 में आरोपी तरुण ने पहली बार युवती के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। पीड़िता के विरोध करने पर उसने जल्द ही शादी होने की बात कही।

उसकी बातों में आकर पीड़िता खामोश रह गई। इसके बाद आरोपी ने करीब देढ़ साल तक कई बार पीड़िता का दैहिक शोषण किया। और कई बहानो से उसने युवती से करीब तीन लाख रुपए भी लेकर हड़प लिए।

कटनी से ट्रैन से आकर चोरी कर ट्रैन से ही वापस भागने वाली महिला सहित दो गिरफ्तार

रात या अलसुबह रैकी कर माल चोरी कर ट्रैन से वापस भाग जाते थे आरोपी

भोपाल। देहात क्षेत्र की बागसेवनिया थाना पुलिस ने ऐसे गिरोह को दबोचा है, जो ट्रैन से कटनी से रात के समय भोपाल स्टेशन आता था। इसके बाद रात या अलसुबह के समय रैकी करते हुए गहरी नींद में सो रहे लोगो के कमरो में घुसकर कीमती मोबाइल चोरी कर वापस ट्रैन में सवार होकर कटनी चला जाता।

पुलिस ने शातिर महिला चोर सहित उसके साथी को दबोचते हुए करीब 16 मोबाइल चोरी की वारदातो का खुलासा किया है। आरोपियो के पास से पौने तीन लाख के कीमती मोबाइल फोन जप्त किये गये है। दोनों आरापी कटनी के रहने वाले हैं। बागसेवनिया टीआई निरी.अमित सोनी ने जानकारी देते हुए बताया की नारायण नगर में रहने वाले अंशुल कुमार गौर

निवासी स्वास्थ्य अस्पताल के पास नारायण नगर थाना बागसेवनिया ने लिखित शिकायत करते हुए बताया था, की वह पढ़ाई करता है। बीती 31 मार्च की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अपना आईफोन और वन प्लस मोबाइल चार्जिंग पाइंट पर लगाकर नहाने के लिये बाथरूम चला गया था।

थोड़ी देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसके दोनों मोबाइल फोन चोरी हो चुके थे। इसी तरह वर्धमान अस्पताल के पास विद्या नगर में रहने वाले रितिक बतरा ने अपनी शिकायत में बताया था की वह एक कैफै में काम करता है। 31 मार्च की रात करीब दो बजे वह अपने दोस्तों वीरेंद्र रजक, रवि अहिरवार और बृजेश पाल के साथ रूम में सोया था। उस समय कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। अगली सुबह करीब साढ़े दस बजे रितिक की नींद खुली तो देखा की उसके और चारो दोस्तों के कीमती मोबाइल फोन अज्ञात आरोपी चोरी कर ले जा चुका हैं।

पुलिस ने फरियादियो की शिकायत पर जॉच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उनकी तलाश शुरु की। पुलिस टीमो ने घटनास्थल के आसपास सहित इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगालने के साथ ही तकनीकी पड़ताल शुरु की।

विद्यालय और कक्षा से दूरी नहीं बनायें विद्यार्थी : मंत्री श्री पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल 'स्कूल चले हम'' अभियान के अंतर्गत तीसरे दिन गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला केरपानी में शाला उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों को प्रेरणादायी बातें बताई और उनका हौसला बढ़ाया। मंत्री पटेल ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि मन में कोई जिज्ञासा बचा कर नहीं रखें। सवाल पूछने की आदत अपने जीवन में शामिल करें। मंत्री पटेल व अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य- पुस्तकों का वितरण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी, विद्यार्थी, उनके माता- पिता, अभिभावक और ग्रामीणजन मौजूद थे।

विश्वास सारंग ने राजेंद्र नगर में स्टेडियम का किया भूमिपूजन

क्षेत्र में क्लस्टर बनाकर नये खिलाड़ियों को करेंगे तैयार: विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को नरेला विधानसभा के वार्ड 37, राजेंद्र नगर में नवीन स्टेडियम के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। मंत्री सारंग ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक आधुनिक खेल परिसर का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि खेल और शारीरिक गतिविधियाँ युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को व्यायाम के साथ ही युवाओं को खेल सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे वे अपनी प्रतिभा को

निखार सकेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

क्षेत्र में क्लस्टर बनाकर नये खिलाड़ियों को करेंगे तैयार: मंत्री सारंग ने कहा कि यह स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ी सौगात है। यहाँ विभिन्न खेलों के लिए विशेष सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है और इसी क्रम में क्षेत्र में खेल मैदानों का उन्नयन किया जायेगा साथ ही क्लस्टर बनाकर नये खिलाड़ियों को तैयार करेंगे।

मंत्री सारंग ने जानकारी देते हुए बताया कि स्टेडियम का निर्माण लगभग 8 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में किया जाएगा, जिसमें से लगभग 4,000 वर्गमीटर में खेल मैदान विकसित किया जाएगा। यह स्टेडियम खिलाड़ियों की विभिन्न आवश्यकताओं एवं नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जिसमें विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। उन्होंने बताया कि स्टेडियम परिसर में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, और मल्टीपरपज़ हॉल की सुविधा उपलब्ध होगी।

एमपी की 15008 वक्फ संपत्ति से सिर्फ दो करोड़ आय

बोर्ड अध्यक्ष बोले- सौ करोड़ सालाना आना चाहिए, भोपाल के नईम समेत कई पर निकली रिकवरी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत वक्फ संशोधन बिल का सभी को स्वागत करना चाहिए। इस बिल का विरोध न भारत के मुसलमान कर रहे हैं ना बाकी लोग कर रहे हैं। हर कोई इसका स्वागत कर रहा है। इसका विरोध सिर्फ कांग्रेस और सपा जैसे राजनीतिक दल कर रहे हैं, जो मुस्लिमों के हितैषी नहीं हैं, बल्कि उनका इस्तेमाल वोट बैंक की तरह करना चाहते हैं। इस बिल का विरोध ऐसे लोग भी कर रहे हैं जो वक्फ बोर्ड की आड़ में भू-माफिया बनकर मोटी कमाई कर रहे हैं।

यही लोग देश की जनता को भड़काने का षडयंत्र रच रहे हैं। को मध्यप्रदेश सहित देशभर के दो करोड़ लोगों से सुझाव लेने के बाद वक्फ संशोधन बिल लाया गया है। ऑनलाइन भी सुझाव लिए गए हैं। यह बिल वक्फ कानून की विसंगतियां दूर करने के साथ मुस्लिम समाज के गरीबों-महिलाओं और जरूरतमंदों के लिए अंत्योदय का कार्य करेगा। डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि यह बिल वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के असली हकदारों को उनका हक दिलाने के लिए लाया गया है। वक्फ बोर्ड के कामकाज में वक्फ संशोधन बिल पारदर्शिता लाएगा और वक्फ बोर्ड की आय भी बढ़ेगी।

एक ज़रूरी बचाव, लेकिन क्या लोग ऊब गए हैं?

साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 और ऑनलाइन ठगी से बचाव की चेतावनियाँ इतनी बार सुनाई देने लगी हैं कि लोग अब इनसे ऊबने लगे हैं। बैंक, फोन कंपनियाँ, न्यूज़ चैनल्स, और सोशल मीडिया हर जगह साइबर फ्रॉड के अलर्ट्स छाए हुए हैं, जिससे लोग ठगी से कम और चेतावनी से ज़्यादा परेशान हैं। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि असली कॉल्स और स्कैम्स में फर्क करना भी मुश्किल हो रहा है–हर मैसेज पर शक, हर कॉल पर संदेह! लोग इतने सतर्क हो गए हैं कि जरूरत पड़ने पर भी मदद माँगने वालों से पहले आधार कार्ड और पैन नंबर मांगने लगते हैं। कभी–कभी ऐसा लगता है कि अगर किसी को गुप्त एजेंसी के लिए जासूसी करनी हो, तो उन्हें राष्ट्रसाइबर क्राइम से बचें राष्ट्र जैसे संदेशों को बैकग्राउंड म्यूजिक बना देना चाहिए। जितनी बार हम अपने फोन, टीवी, बैंक मैसेज, या सोशल मीडिया खोलते हैं, 1930 हेल्पलाइन और साइबर ठगी की चेतावनी हमारे सामने आ जाती है। एक वक्त ऐसा आता है जब दिमाग कहता है, राष्ट्रभाई, अब तो हमें खुद स्कैमर्स भी पहचानने लग गए होंगे!राष्ट्र आजकल साइबर अपराध इतने आम हो गए हैं कि हर दिन हजारों लोग किसी न किसी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। इसी को रोकने के लिए सरकार ने 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन शुरू की, ताकि लोग धोखाधड़ी के तुरंत बाद इसकी शिकायत कर सकें और पैसे वापस पाने की कोशिश कर सकें। लेकिन समस्या यह है कि इस हेल्पलाइन और साइबर सुरक्षा से जुड़ी चेतावनियाँ इतनी बार दोहराई जा रही हैं कि कुछ लोगों को यह राष्ट्रकान पकाने वाली चीज़राष्ट्र लगने लगी है। बैंक, फोन कंपनियाँ, सोशल मीडिया, और न्यूज़ चैनल्स–हर जगह साइबर फ्रॉड से बचने के लिए अलर्ट्स आ रहे हैं। राष्ट्र आपके अकाउंट से संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुआ है...राष्ट्र अगर यह लाइन आपको सपनों में भी सुनाई देने लगी है, तो आप अकेले नहीं हैं! साइबर सुरक्षा जागरूकता इतनी ज़्यादा बढ़ गई है कि अब लोग ठगी से कम और चेतावनी से ज़्यादा परेशान हैं। बैंक- राष्ट्रध्यान दें! कोई भी आपकी ह्ज्ञक्क मांगे, तो उसे दें मत!राष्ट्र फोन कंपनियाँ- राष्ट्रसाइबर क्राइम से बचें। 1930 पर कॉल करें।राष्ट्र न्यूज़ चैनल्स- राष्ट्रआज हम बताएँगे कैसे साइबर ठगी का नया तरीका आपको चूना लगा सकता है!राष्ट्र वॉट्सएप ग्रुप- राष्ट्रये पढ़िए, एक आदमी ने लिंक पर क्लिक किया और उसका बैंक बैलेंस गायब!राष्ट्र अब स्थिति यह हो गई है कि राष्ट्रअसली कॉल आए तो भी शक होता है कि कहीं यह स्कैम तो नहीं?राष्ट्र कुछ लोग इतनी बार ये चेतावनियाँ सुन चुके हैं कि अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। कई बार लोग मान लेते हैं कि राष्ट्रमुझे तो कुछ नहीं होगा,राष्ट्र और लापरवाही बरतने लगते हैं। कुछ मामलों में, लगातार चेतावनी देने के बावजूद लोग फर्जी कॉल्स या मैसेज का शिकार हो जाते हैं। आजकल साइबर सतर्कता के कारण भरोसा करने की कला भी खत्म हो रही है। अगर कोई दोस्त सच में पैसे माँग ले, तो दिमाग कहता है, राष्ट्रस्कैम लग रहा है, पहले वीडियो कॉल कर!राष्ट्र कोई रिश्तेदार ह्ज्ञक्क माँग ले तो जवाब आता है, राष्ट्रपहले आधार कार्ड भेजो!राष्ट्र सिर्फ इतना ही नहीं, कई बार लोग 1930 पर कॉल करके खुद की पहचान वेरिफाई कराने लगते हैं! राष्ट्रभैया, मैं असली हूँ, स्कैमर नहीं! जैसे–जैसे डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन बैंकिंग बढ़ी है, वैसे–वैसे साइबर ठग भी स्मार्ट होते गए हैं। सोशल इंजीनियरिंग फ्रॉड - जालसाज लोगों की भावनाओं और आदतों का फायदा उठाकर उन्हें ठग लेते हैं। जैसे–फर्जी नौकरी ऑफर, लॉटरी, केवाईसी अपडेट, आदि। बहुत से लोग लिंक पर क्लिक करने या ओटीपी शेयर करने से पहले सोचते नहीं हैं। 1930 ज़रूरी है, लेकिन इसे राष्ट्र पढ़ाई की किताब राष्ट्र मत बनाओ। मज़ेदार तरीके से लोगों को जागरूक करो–मेम्स बनाओ, स्टैंड–अप कॉमेडी करो, रोबोटिक आवाज़ में मत सुनाओ! हर अलर्ट को सिरियस मत लो, लेकिन हर लिंक पर क्लिक भी मत करो। एक बैलेंस बनाओ, वरना या तो कान पकेंगे या जेब। हर बार राष्ट्र स्कैम राष्ट्र का डर मत पालो, लेकिन होशियार रहो। नहीं तो एक दिन सच में जरूरत पर कोई मदद माँगेगा, और तुम कहोगे–राष्ट्रपहले आधार कार्ड और पैन नंबर भेज!राष्ट्र तो अगली बार जब कोई राष्ट्र 1930 राष्ट्र का ज़िक्र करे, तो कान मत पकड़ो–बल्कि समझदारी से इसे अपनाओ। वरना साइबर ठगी तो दूर, भरोसे की ठगी के शिकार हो जाओगे! 1930 हेल्पलाइन को हल्के में न लें- यह नंबर आपकी मेहनत की कमाई बचाने में मदद कर सकता है।

भ्रष्टाचार पर लगाम और पारदर्शिता की नई पहल

वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है। भारत में वक्फ बोर्ड के अंतर्गत लाखों एकड़ भूमि आती है, लेकिन वर्षों से इसके दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप लगते रहे हैं। यह बिल वक्फ बोर्डों की मनमानी पर रोक लगाने, संपत्तियों का सही उपयोग सुनिश्चित करने और कानूनी विवादों के समाधान में मदद करेगा। हालांकि, कुछ चुनौतियाँ भी सामने आ सकती हैं, जैसे वक्फ बोर्डों का विरोध और नए तंत्र का प्रभावी क्रियान्वयन। यदि यह कानून प्रभावी रूप से लागू होता है, तो यह वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों को कम करने और पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। भारत में वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। देश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के अंतर्गत आती है, जिसका उद्देश्य धार्मिक और सामाजिक कल्याण कार्यों के लिए संपत्तियों का उपयोग करना है। हालांकि, समय के साथ यह देखा गया कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन पूरी तरह पारदर्शी नहीं रहा, और कई मामलों में अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप सामने आए हैं। लोकसभा में हाल ही में पारित वक्फ संशोधन बिल 2024 से उम्मीद की जा रही है कि यह बिल वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ाएगा और आम नागरिकों, खासकर उन किरायेदारों को राहत प्रदान करेगा, जो वर्षों से इन संपत्तियों में रह रहे हैं या उनसे जुड़े कानूनी विवादों का सामना कर रहे हैं। भारत में वक्फ अधिनियम 1995 के तहत वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन किया जाता है। इस कानून के तहत बनाई गई वक्फ बोर्डों को अत्यधिक शक्तियाँ प्रदान की गईं, जिससे वे अपने अधीन संपत्तियों का नियंत्रण कर सकें। हालाँकि, इस प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी और मनमानी फैसलों के चलते कई विवाद उत्पन्न हुए। वक्फ बोर्ड के पास मौजूद कानूनी अधिकारों के कारण कई स्थानों पर उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कई मामलों में वक्फ बोर्ड अधिकारियों द्वारा संपत्तियों को मनमाने ढंग से लीज़ पर देना, कब्जे खाली करवाना, और बिना उचित प्रक्रिया के संपत्ति बेचने जैसे फैसले लिए गए हैं। हजारों किरायेदार दशकों से वक्फ संपत्तियों में रह रहे हैं। लेकिन कई बार वक्फ बोर्डों ने पुराने किरायेदारों को कानूनी सुरक्षा प्रदान नहीं की, बल्कि उन्हें संपत्तियों से बाहर निकालने की कोशिश की। ऐसे मामलों में कई परिवारों को कानूनी लड़ाइयों में उलझना पड़ा, और कुछ मामलों में जबरन बेदखली भी देखी गई। वक्फ संपत्तियों की खरीद, बिक्री, और लीज़ में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायतें आई हैं। कई रिपोर्टें बताती हैं कि वक्फ संपत्तियों को बाजार मूल्य से बहुत कम कीमतों पर बेचा गया या फिर बिना उचित प्रक्रिया के इसे राजनीतिक और व्यावसायिक हितधारकों को सौंप दिया गया। वर्तमान वक्फ कानून में कई अस्पष्टताएँ थीं, जिससे कानूनी विवाद बढ़ते गए। वक्फ संपत्तियों से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए कोई स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया नहीं थी, जिससे विवाद लंबित रह जाते थे और पीड़ित पक्ष को न्याय पाने में वर्षों लग जाते थे। लोकसभा में पारित वक्फ संशोधन बिल 2024 का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। इस बिल में यह प्रावधान किया गया है कि वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली की निगरानी और सरकारी हस्तक्षेप को बढ़ाया जाएगा, ताकि संपत्तियों के दुरुपयोग को रोका जा सके। संशोधन के तहत पुराने किरायेदारों को अधिक कानूनी सुरक्षा दी जाएगी, जिससे उन्हें जबरन निष्कासन का सामना न करना पड़े। वक्फ संपत्तियों की लीज़, बिक्री, या हस्तांतरण में पारदर्शिता लाने के लिए नई निगरानी एजेंसियाँ बनाई जाएँगी। इसके अलावा, सभी सौदों की डिजिटल रिकॉर्डिंग और पारदर्शी ऑडिटिंग की व्यवस्था की जाएगी। वक्फ संपत्तियों से जुड़े कानूनी विवादों के निपटारे के लिए विशेष न्यायाधिकरण बनाए जाने का प्रस्ताव है। इससे मामलों का त्वरित समाधान हो सकेगा और आम नागरिकों को लंबे समय तक अदालतों में भटकना नहीं पड़ेगा। वक्फ संशोधन बिल 2024 के लागू होने से भारत में वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों को सुलझाने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह संशोधन सुनिश्चित करेगा कि वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में किसी भी प्रकार की धांधली न हो और सभी लेन–देन को सार्वजनिक किया जाए। नए कानून के तहत पुराने किरायेदारों को सुरक्षा मिलेगी और उनके निष्कासन की प्रक्रिया को कानूनी दायरे में लाया जाएगा।

घिब्ली की दुनिया बनाम हकीकत: कला, रोजगार और मौलिकता का संघर्ष

रोजगार हमारी ज़रूरतों के लिए आवश्यक है, लेकिन कला और मनोरंजन मानसिक शांति और प्रेरणा का स्रोत बन सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इमेजरी और एआई टूल्स सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं, जिससे मौलिकता पर सवाल उठ रहे हैं। पहले जहां कलाकारों को महीनों मेहनत करनी पड़ती थी, अब एआई कुछ सेकंड में वैसा ही आर्ट तैयार कर देता है, जिससे असली कलाकारों को चुनौती मिल रही है, अगर हम हकीकत की दुनिया में देखें, तो रोज़गार ज़रूरी है। बिना नौकरी या व्यवसाय के, सिर्फ घिब्ली की खूबसूरत दुनिया में खोकर पेट नहीं भरा जा सकता। लेकिन मानसिक शांति और प्रेरणा के लिए कला भी आवश्यक है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल की इमेज और वीडियो एक ट्रेंड बन चुके हैं।

प्रियंका सौरभ

लोग पिनटेरेस्ट, इंस्टाग्राम और टिकटोक पर इसे देखकर टाइम पास कर रहे हैं, कुछ इसे खुद ट्राई कर रहे हैं, और एआई टूल्स की मदद से घिब्ली–स्टाइल की इमेज बना रहे हैं। आजकल सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल इमेज और वीडियो बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। एआई टूल्स की मदद से अब कोई भी बिना आर्ट स्किल्स के घिब्ली जैसी इमेज बना सकता है। लोग पिनटेरेस्ट और इंस्टाग्राम पर घिब्ली मूवी के सीन से बनी एस्थेटिक गिफ्स और वॉलपेपर शेयर कर रहे हैं। टिकटोक और रील्स में घिब्ली सीन के साथ रिलेटेबल ऑडियो या कोट्स लगाकर मज़ेदार कंटेंट बनाया जा रहा है। कुछ एआई टूल्स अब आपकी असली फोटो को भी घिब्ली स्टाइल में बदल सकते हैं, जिससे लोग अपनी तस्वीरों को फेयरीटेल लुक दे रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी बहस को जन्म दे रहा है–क्या एआई जनरेटेड आर्ट असली कला की जगह ले सकती है? एआई–जनरेटेड घिब्ली स्टाइल इमेजरी ने मौलिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। पहले कलाकारों को महीनों मेहनत करके घिब्ली जैसी पेंटिंग बनानी पड़ती थी, अब एआई कुछ सेकंड में वैसा ही कुछ तैयार कर देता है। लोग खुद से नया सोचने के बजाय रेडीमेड आर्ट पर निर्भर हो रहे हैं। असली कलाकार अब एआई–जेनरेटेड कंटेंट से मुकाबला करने को मजबूर हैं। एआई और टेम्प्लेट्स के चलते कुछ हटकर करने की सोच धीरे–धीरे खत्म हो रही है। अगर आर्ट को केवल एक ट्रेंड बना दिया गया, तो मौलिकता धीरे–धीरे खत्म हो जाएगी। इसका समाधान यह है कि लोग घिब्ली स्टाइल से प्रेरणा लेकर अपनी खुद की यूनिक कहानियाँ और आर्ट बनाएं, न कि बस इंटरनेट पर मौजूद चीज़ों को दोहराएँ। घिब्ली की आत्मा सिर्फ उसकी खूबसूरत विज़ुअल्स में नहीं, बल्कि उसकी गहरी कहानियों और भावनात्मक जुड़ाव में है। अगर किसी को घिब्ली की दुनिया इतनी पसंद है कि वह इसमें कुछ नया जोड़ना चाहता है, तो यह एक रोजगार का साधन भी बन सकता है। उदाहरण के लिए डिजिटल आर्टिस्ट घिब्ली–स्टाइल आर्ट बनाकर पैसा कमा सकते हैं। मर्चेंडाइज़ बिज़नेस (पोस्टर, स्टिकर, कपड़े) से आय हो सकती है। ड्ड्श्ह्ज्ञह्वड्ड और सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल कंटेंट क्रिएट करना एक करियर विकल्प हो सकता है। एनिमेशन इंडस्ट्री में घिब्ली से प्रेरित होकर ओरिजिनल शॉर्ट फिल्म्स और सीरीज़ बनाई जा सकती हैं। गेम डिज़ाइन और वीएफएक्स स्टूडियो में भी घिब्ली जैसी विज़ुअल स्टाइल को अपनाकर कैरियर बनाया जा सकता है। हालांकि, केवल घिब्ली की दुनिया में खोए रहना नुकसानदायक हो सकता है। असली ज़िंदगी के काम टलते रहते हैं, और लोग प्रोडक्टिविटी खो सकते हैं। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है और अपने करियर पर ध्यान नहीं देता, तो यह एक समस्या बन सकती है। घिब्ली की दुनिया आदर्श (आदर्शवादी) होती है–जहाँ हर चीज़ खूबसूरत, शांत और जादुई होती है। लेकिन असली दुनिया संघर्ष, तनाव और कठिनाइयों से भरी होती है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। समय की बर्बादी- लोग घंटों तक घिब्ली मूवीज़, पिनटेरेस्ट आर्ट, एआई –जनरेटेड इमेज और इंस्टाग्राम रील्स देखते रहते हैं। यह टाइम पास कब टाइम वेस्ट में बदल जाता है, पता भी नहीं चलता। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है, लेकिन उसे अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए, तो यह नुकसानदेह हो सकता है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। कुछ लोग इस वजह से प्रेरणा और महत्वाकांक्षा (महत्वाकांक्षा) भी खो सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इतना लोकप्रिय हो गया है कि कई कलाकार अपनी खुद की स्टाइल डिवेलप करने के बजाय सिर्फ घिब्ली–स्टाइल आर्ट कॉपी कर रहे हैं। घिब्ली स्टाइल एन्जॉय करें, लेकिन उसमें खो न जाएँ। अगर आपको आर्ट पसंद है, तो इसे एक स्किल में बदलें, जिससे आप कमाई कर सकें। अपने करियर और लाइफ गोल्स को इग्नोर न करें–काम ज़रूरी है, कला सिर्फ सुकून के लिए है। मौलिकता बनाए रखें–घिब्ली से प्रेरित हों, लेकिन अपनी खुद की यूनिक स्टाइल डेवलप करें। टाइम मैनेजमेंट करें–आर्ट और मनोरंजन का आनंद लें, लेकिन काम और ज़िम्मेदारियों को नज़रअंदाज़ न करें। घिब्ली का जादू खूबसूरत है, लेकिन अगर यह हमारी असली ज़िंदगी को प्रभावित करने लगे, तो नुकसान हो सकता है। बैलेंस बनाना ज़रूरी है–कला और करियर, कल्पना और हकीकत के बीच! घिब्ली–प्रेरित कला को करियर में बदला जा सकता है–डिजिटल आर्ट, मर्चेंडाइज़, यू ट्यूब कंटेंट और एनिमेशन इंडस्ट्री में इसका उपयोग हो सकता है। लेकिन सिर्फ घिब्ली की दुनिया में खो जाना नुकसानदेह हो सकता है–यह समय की बर्बादी, करियर पर असर, असली दुनिया से डिस्कनेक्ट और मौलिकता की कमी ला सकता है। समाधान यह है कि घिब्ली की प्रेरणा से कुछ नया और मौलिक बनाया जाए, न कि केवल कॉपी किया जाए। कला और रोजगार के बीच संतुलन बनाए रखना ज़रूरी है ताकि हम जीवन के दोनों पहलुओं का पूरा लाभ उठा सकें।

शहरों का घुटता आसमान

आज से साढ़े तीन–चार दशक पहले तक स्थिति इतनी भयावह नहीं थी। तब सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों की संख्या काफी कम थी। हवा में मौजूद जहर को सोखने के लिए हमारे पास पर्याप्त मात्रा में पेड़ भी थे। लेकिन पिछले कुछ दशकों में स्थितियां बहुत तेजी से बदलीं।

सड़कों पर गाड़ियों की भरमार हो गई और विकास की अंधी दौड़ में पेड़ों को अंधाधुंध काटकर हमने उस सहारे को खुद से ही छीन लिया जो न केवल हमें तेज धूप में छाया दिया करता था बल्कि पर्यावरण संरक्षण की आश्वस्ति भी देता था। हवा में घुलने वाला जहर उस जहरीले धुएं का परिणाम होता है, जो धुआं वाहनों से–कारखानों से और पटाखों से उत्सर्जित होता है। इस धुएं में शामिल कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाईआक्साइड, नाइट्रोजन डाईआक्साइड जैसी गैसें और सीसे के कण वातावरण को जहरीला कर देते हैं। ये जहर बच्चों और बुजुर्गों पर सर्वाधिक प्रभाव डालता है। हवा में घुलने वाला जहर उस जहरीले धुएं का परिणाम होता है, जो धुआं वाहनों से– कारखानों से और पटाखों से उत्सर्जित होता है। इस धुएं में शामिल कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाईआक्साइड, नाइट्रोजन डाईआक्साइड जैसी गैसें और सीसे के कण वातावरण को जहरीला कर देते हैं। ये जहर बच्चों और बुजुर्गों पर सर्वाधिक प्रभाव डालता है। राजधानी दिल्ली की हवा में घुले जहर ने एक बार फिर लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। राजधानियों की हवा में जहर की बात आमतौर पर मुहावरे में की जाती है, लेकिन दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों, शहरों में रहने वाले लोग सचमुच दमघोंटू हवा में सांस लेने को विवश हैं। सड़क पर बेतहाशा दौड़ रहे वाहनों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के इलाके के खेतों में जलाई जाने वाली पराली के धुएं ने सांस लेना दूभर कर दिया है। रही–सही कसर दीपावली पर हुई आतिशबाजी के धूम–धड़ाके ने पूरी कर दी। दिल्ली ही क्या, देश के अधिकांश शहरों की हवा में प्रदूषण की मात्रा दीवाली के दिनों में खतरनाक स्तर पर पहुंच जाती है। उदाहरण के लिए राजस्थान के कोटा शहर को लिया जा सकता है। हर साल करीब दो लाख बच्चे देश के शीर्षस्थ इंजीनियरिंग या मेडिकल कॉलेजों में दाखिले की परीक्षा के लिए कोचिंग लेने के लिए कोटा आते हैं और इन छात्रों की आमद ने कोटा को आर्थिक समृद्धि के नवसोपान सौंपे हैं। यों भी बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है और जिस इलाके में इतनी बड़ी संख्या में बच्चे रहते हों, उस इलाके के पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामान्य जन को भी अतिरिक्त रूप से संवेदनशील होना चाहिए। शहर के एक अस्थमा विशेषज्ञ ने दीवाली की रात कोटा की हवा में प्रदूषण की पड़ताल की तो पाया कि वहां की हवा में जहरीले कणों की मात्रा मानक स्तर से सात गुना अधिक है। पिछले कुछ सालों में हम अपने स्वभाव से ही नहीं, अपने व्यवहार से भी हवा में जहर घोलने के आदी हो चुके हैं। वायु प्रदूषण की भयावहता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूटीओ) वायु प्रदूषण को 'पब्लिक हेल्थ इमरजंसी' अर्थात जन स्वास्थ्य के लिए आपातकाल कहता है। डब्ल्यूटीओ की एक रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण हर साल दुनिया में करीब सात करोड़ लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। बर्मिंघम विश्विद्यालय ने अपनी एक शोध के दौरान दुनिया में निमोनिया के कारण होने वाली मौतों और वायु प्रदूषण के मध्य सीधा संबंध पाया। लंदन के किंग्स कॉलेज के एक अध्ययन में पाया गया कि वायु प्रदूषण युवाओं में कई मनोविकृतियों को जन्म देता है।

प्रत्येक गतिविधि दो सीमांत बिंदुओं आरंभ और अंत के बीच संचालित

सातत्य का आशय किसी भी गतिविधि की निरंतरता से होता, अगर हम अपने चहुंओर के परिवेश या खुद अपने शरीर की किसी भी गतिविधि या क्रियाकलाप का गहन सूक्ष्मता के साथ अवलोकन करें तो हम निश्चित रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि प्रत्येक गतिविधि दो सीमांत बिंदुओं आरंभ और अंत के बीच संचालित होती है। आरंभ और अंत के बीच का अंतराल कितना लंबा होगा, यह पूरी तरह से उस गतिविधि की निरंतरता या सातत्य पर निर्भर करता है।

हम कल्पना कर सकते हैं कि हमने किसी नूतन लक्ष्य को केंद्रित करते हुए कोई क्रिया आरंभ की और बहुत कम समय के बाद ही किसी न किसी कारण से हमें उससे खत्म भी करना पड़ा। तब ऐसी दशा में हम अपने लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर पाएंगे, क्योंकि हमारे द्वारा क्रियान्वित की गई गतिविधि निरंतरता को प्राप्त नहीं कर पाई। दूसरे शब्दों में कहें तो निरंतरता किसी भी मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने के लिए एक अनिवार्य शर्त है। जब कभी और जहां कहीं निरंतरता खंडित होती है, संबंधित गतिविधि परिणाम के बजाय दुष्परिणाम का वरण कर लेती है। सातत्य या निरंतरता और सफलता के बीच एक नितांत गहरा संबंध है, बल्कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

इसका सर्वोत्तम उदाहरण प्रकृति है। प्रकृति के सभी मूलभूत घटक, उदाहरणार्थ– जल, वायु आदि सभी सातत्य के सिद्धांत का अनुसरण करते हैं। जल और हवा के बहाव में अगर सातत्य या निरंतरता न हो, तो निश्चित ही वे महत्त्वहीन हो जाएंगे। कलकल करती सरिता और शांत तड़ाग में निस्संदेह सततवाहिनी सरिता कहीं अधिक महत्त्व रखती है। इसका कारण केवल इतना है कि बहती हुई सरिता सदैव सातत्य के अंक में रहती है। ठहराव से उसका कोई संबंध नहीं होता। ऐसा नहीं है कि ठहराव आवश्यक नहीं है, लेकिन वह ठहराव लक्ष्य के पड़ाव तक पहुंचने के बाद ही होना चाहिए। नदी जब महासागर में विलीन हो जाती है, तभी उसका अस्तित्व अपनी यात्रा को पूरा करके ठहराव की दशा को प्राप्त कर पाता है।

जीवन की निरंतरता के बने रहने के लिए सांस में सातत्य का होना अनिवार्य है। सांस के असतत होने का सीधा सा अर्थ है–जीवन की मृत्यु में परिणति। जन्म और मृत्यु आत्मा की अनंत यात्रा के दो पड़ाव होते हैं। इन पड़ावों के बीच यानी जन्म से लेकर मृत्यु के बीच की सीमित यात्रा का नाम ही जीवन है। अब इस यात्रा की अवधि सातत्य के स्तर पर निर्भर करती है। यात्रा सातत्य से सिंचित होगी, तो निस्संदेह हम लंबे समय तक जीवन का आनंद भोगने में सफल रहेंगे। वहीं अगर यात्रा का सातत्य किसी भी कारण से खंडित हुआ तो मृत्यु के निकट आने में कोई भी विलंब नहीं होगा। भौतिक और सांसारिक जीवन से परे इन विषयों से थोड़ा–सा संकुचित होकर केवल दैनिक जीवन, क्रियाकलापों और गतिविधियों पर ही केंद्रित रहा जाए तो भी सातत्य की महिमा कहीं न कहीं स्वयंसिद्ध है। सातत्य ही जीवन को सफल बनाने का एक मूल मंत्र है। परिस्थितियों से बिना प्रभावित हुए अपने कार्य को निरंतरता के साथ करते रहना ही सातत्य है। जीवन का कोई भी ऐसा पहलू नहीं है जहां पर सातत्य के बिना सफलता का अर्जन किया जा सके, क्योंकि सफलता का कोई भी लघु मार्ग या सूत्र अभी तक उपलब्ध नहीं है। सफलता के लिए अथक परिश्रम की आवश्यकता होती ही है, जो केवल और केवल सातत्य के माध्यम से ही संभव है।

जीवन में सातत्य का अनुसरण करने से व्यक्ति को लाभों का एक ऐसा पिटारा प्राप्त हो जाता है, जिसकी कल्पना संभवत: उसके द्वारा नहीं की गई होती है। सातत्य की प्रवृत्ति व्यक्ति को द्रुत गति से उसके लक्ष्य तक पहुंचाने में सहायक होती है। यह व्यक्तित्व को अद्भुत तरीके से निखार देता है। व्यक्तित्व के अंदर अनेक दुर्लभ विशिष्टताओं का समावेश सातत्य का अनुसरण करके ही संभव हो पाता है। इनमें सबसे मूल्यवान उपलब्धि होती है– आत्मविश्वास। किसी भी कार्य के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव अपनाते हुए उसके क्रियान्वयन में सातत्य को समाविष्ट करने से विभिन्न चरणों में आने वाली बाधाएं व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास के स्तर को उच्चीकृत करने में सहायता करती हैं। मगर सातत्य को विकसित करने के लिए हमें प्रकृति की कुछ शर्तों को स्वीकार करना होगा। इनमें से पहला और सबसे अहम शर्त यह है कि हमें किसी भी कार्य या गतिविधि के रूप वाली वैतरणी को धैर्य की नौका पर सवार होकर ही पार करने की चेष्टा करनी चाहिए, क्योंकि धैर्य वह ब्रह्मास्त्र है जो बड़ी से बड़ी चुनौतियां एवं बाधाओं को अपनी अमोघ शक्ति से चकनाचूर कर देने में सक्षम है। सातत्य के प्रादुर्भाव के लिए धैर्य परम आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आत्मानुशासन, सकारात्मकता से परिपूर्ण मनोबल, समय का उचित प्रबंधन और ध्यान का लक्ष्य पर केंद्रित होना। ये कुछ ऐसी शर्तें हैं जो प्रकृति के द्वारा मूक रूप से हमारे समक्ष सातत्य का उपहार प्राप्त करने के बदले में रखी जाती हैं। इनका व्यवस्थित अनुपालन करने के बाद ही हम जीवन में सातत्य की अपेक्षा कर सकते हैं। हमें अपने शरीर और मन–मस्तिष्क, दोनों की गतिविधियां सातत्य से युक्त रखनी चाहिए, क्योंकि सातत्य हमारे अंदर विजय प्राप्त करने जैसी भावना को जागृत करता है। सातत्य का खंडित होना हमारे अंदर कहीं न कहीं कुंठा और निराशा को जन्म देता है और ये भाव हमारे व्यक्तित्व में विकृति उत्पन्न करते हैं। सातत्य एक ऐसा अमूल्य रत्न है जो अगर किसी ने एक बार प्राप्त कर लिया तो फिर वह आजीवन उसका लाभ सूद समेत प्राप्त करता रहेगा। साधारण से असाधारण में परिणत होने के लिए सफलता एक आवश्यक तत्व है।

जल संकट का समाधान: परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम

जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों को मिलाकर जल संकट से बचा जा सकता है। भारत में जल संरक्षण का एक समृद्ध इतिहास रहा है। हमारे पूर्वजों ने भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुसार जल संरक्षण की अनेक प्रणालियाँ विकसित की थीं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

जल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है।जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4त्न मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18त्न आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू–चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है। स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं।

महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल : इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी।

राजस्थान की जोहड़ प्रणाली : छोटे–छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई।

उत्तराखंड की चाल–खाल प्रणाली : ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की ज़ाबो कृषि पद्धति- यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है।

तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली : यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं।जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य- तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं। समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें।

महाराष्ट्र की पानी पंचायतें: इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत- यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। आईआईटी मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए।

शहरी जल पुनर्चक्रण : शहरों में अपशिष्ट जल को पुन: उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

कलेक्टर ने घायल श्रमिकों का बेहतर से बेहतर इलाज करने के दिए निर्देश

ट्रामा सेंटर पहुँचकर श्रमिकों के इलाज की जानकारी ली

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

डबरा में अर्रु तिराहे पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार गिरने से घायल हुए श्रमिकों को जिला प्रशासन द्वारा बेहतर इलाज के लिये जेएएच के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने ट्रामा सेंटर पहुँचकर श्रमिकों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं जेएएच प्रबंधन को श्रमिकों का बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने डबरा एसडीएम श्री दिव्यांशु चौधरी को भी निर्देश दिए हैं कि अर्रु तिराहे पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार के गिर जाने की घटना की बारीकी से जाँच कराएँ। साथ ही जिम्मेदारी निर्धारित कर दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। ज्ञात हो डबरा में अर्रु तिराहे पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार गुरुवार को गिर गया था। इस घटना में वहाँ काम कर रहे चार श्रमिक घायल हुए हैं। इनमें से दो श्रमिकों को गंभीर अवस्था में जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। साथ ही दो अन्य घायल श्रमिकों का इलाज भी जेएएच में चल रहा है। इस घटना में लगभग 37 वर्षीय श्रमिक श्री कमलेश व लगभग 50 वर्षीय श्री भारत को गंभीर चोटें पहुँची हैं। श्री पवन कोरी व श्री राकेश कुमार को हलकी चोटें आई हैं।

शिकायतकर्ताओं को फोन लगवाकर जानी सीएम हैल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की वस्तुस्थिति

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में सभी एसडीएम व राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

एसडीएम एवं राजस्व अधिकारी जो भी आदेश पारित करें, उसका अमल भी कराएँ। साथ ही सीएम हैल्पलाइन पोर्टल पर यदि कोई ऐसी शिकायत सामने आती है जिससे संबंधित प्रकरण राजस्व न्यायालय में विचाराधीन है या निर्णय हो चुका है, तो आरसीएमएस में दर्ज उस प्रकरण का नम्बर सीएम हैल्पलाइन के जवाब में प्रदर्शित करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर रुचिका चौहान ने सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर पिछले 6 माह में राजस्व न्यायालय में पारित हुए आदेशों पर अमल कराने के निर्देश भी दिए।

गुरूवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर चौहान ने सीएम हैल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने वाले आवेदकों से फोन से चर्चा कर शिकायत निराकरण की वस्तुस्थिति भी जानी। उन्होंने सीएम हैल्पलाइन में सामने आई नामांतरण संबंधी शिकायतों के निराकरण में देरी पर नाराजगी जताई। साथ ही निर्देश दिए कि इसके लिये दोषी तहसीलदार व नायब तहसीलदारों पर लोक सेवा गारंटी कानून के तहत अर्थदण्ड लगाएं। कलेक्टर ने एल-1 स्तर पर शिकायत अटेंड न करने पर लश्कर मंडी सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के

निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम व श्री टी एन सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी व एसडीएम मौजूद थे।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ व मोटे अनाज के उपार्जन के लिये जिले में स्थापित किए गए सभी उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिये छाया, पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधायें सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि तौल कांटा, बारदाना, मॉइश्चर मीटर व ड्रॉप गेट का इंतजाम भी पुख्ता रहे। सभी एसडीएम व्यक्तिगत रूप लेकर यह व्यवस्थायें कराएं। कलेक्टर रुचिका चौहान ने सभी एसडीएम व उपार्जन व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को उपार्जन के लिये पंजीयन कराने व स्लॉट बुक कराने के लिये जागरुक करें। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य शासन द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन की तिथि 9 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। वर्तमान में मंडी में गेहूँ के भाव गिर रहे हैं। इसलिए किसान भाई पंजीयन नहीं करायेंगे तो वे समर्थन मूल्य पर गेहूँ नहीं बेच पायेंगे। अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर रुचिका चौहान ने स्पष्ट किया कि जिले के किसी भी निजी स्कूल में बच्चों से यदि निर्धारित शुल्क से ज्यादा राशि की शिकायत सामने आई तो संबंधित स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करें।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

जल गंगा संवर्धन अभियान में 2100 से अधिक नागरिक बने जल दूत

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पानी की बूँद-बूँद सहेजने में योगदान देने के लिये जिले के निवासी आगे आ रहे हैं। जिले के ग्रामीण अंचल में बीते रोज तक 2100 से अधिक नागरिकों ने माय भारत एप पर जल दूत के रूप में अपना पंजीयन करा लिया है। यह श्रृंखला जारी है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल्द से जल्द स्वीकृतियां जारी कर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि आम जनों की भागीदारी से पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का काम प्रमुखता से हाथ में लें। जल संरचनाओं के आसपास एवं उपलब्ध स्थानों पर वृहद वृक्षारोपण की कार्ययोजना भी अभी से तैयार की जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार द्वारा इस सिलसिले में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के सभी सहायक यंत्रियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही जल संरचनाओं का चिन्हांकन कर उन्हें पुनर्जीवित करने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

ग्वालियर सहित जिले के सभी कस्बों में पर्याप्त संख्या में प्याऊ स्थापित करें

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। ग्वालियर शहर सहित जिले के सभी कस्बों में पर्याप्त संख्या में प्याऊ स्थापित करें। प्याऊ की स्थापना बस स्टैण्ड, प्रमुख बाजारों एवं ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर की जाए जहाँ जन-मानस की अधिक संख्या रहती है। इस आशय के निर्देश कलेक्टर रुचिका चौहान ने नगर निगम के अधिकारियों, जिले के सभी एसडीएम एवं जिले की नगर पालिकाओं व नगर परिषदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह काम 10 अप्रैल तक पूर्ण कराएँ। कलेक्टर चौहान ने कहा है कि प्याऊ स्थापित करने के संबंध में राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश हैं। इसलिये इस काम को गंभीरता से लें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्याऊ स्थल पर रखे जाने वाले घड़ों-मटकों की साफ-सफाई व पेयजल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस कार्य में समाजसेवी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जा सकता है। कलेक्टर ने प्याऊ पर क्लोरीनीकरणयुक्त शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 4 अप्रैल को अल्प प्रवास पर ग्वालियर आयेंगे

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 अप्रैल को अल्प प्रवास (ट्रांजिट विजिट) पर ग्वालियर आयेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसी दिन दतिया एवं अशोकनगर जिले में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव 4 अप्रैल को वायुमार्ग द्वारा प्रात: 10.45 बजे दतिया हवाईपट्टी पर पहुँचेंगे। दतिया में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैलीकॉप्टर द्वारा अशोकनगर जिले की ईसागढ़ तहसील के अंतर्गत आनंदपुर ट्रस्ट एरिया में पहुँचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। यहाँ से हैलीकॉप्टर द्वारा दोपहर 12.45 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल महाराजपुरा पहुँचेंगे। विमानतल से थोड़ी देर बाद वायुयान द्वारा नईदिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 5 अप्रैल को

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 5 अप्रैल को बुलाई गई है। इस दिन यह बैठक सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित होगी। बैठक में प्रधानमंत्री मिशन लाईफ का प्रजेंटेशन होगा। साथ ही वन विभाग में लंबित विभिन्न विकास कार्यों की अनुमति से संबंधित प्रस्ताव, रेलवे स्टेशन अमृत भारत योजना उन्नयन कार्य, एमपीआरडीसी, सेतु निगम व लोक निर्माण विभाग की समीक्षा होगी। इसके अलावा केन्द्र शासन की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की जायेगी।

समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय करने के लिए स्लॉट बुकिंग प्रारम्भ

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य 05 मई तक किया जाना है। शासन द्वारा गेहूं का समर्थन मूल्य 2425/- प्रति क्विंटल तथा 175/- रुपये प्रति क्विंटल बोनस घोषित किया गया है। इस प्रकार शासन द्वारा 2600/- रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी की जाएगी। इस संबंध में शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति के पालन में जिले में उपार्जन केन्द्रो की स्थापना की जा चुकी है। कृषको द्वारा अपनी उपज विक्रय करने के लिए स्लॉट की बुकिंग प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना द्वारा आज आयोजित जिला उपार्जन समिति की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को हिदायत दी कि उपार्जन कार्य पारदर्शी, सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से किया जाए। खरीदी केन्द्रों की स्थापना इस प्रकार की जाए कि कृषको को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होनें अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केन्द्रों पर समस्त भौतिक सुविधाएं तथा कृषको के लिए शेड एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कृषको एवं उपार्जन कार्य से जुड़े कर्मचारियों-अधिकारियों की सुविधा के लिए कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कन्ट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 0761-3510012 है। यदि उपार्जन के संबंध में कोई असुविधा या मार्गदर्शन की आवश्यकता हो, तो कन्ट्रोल रूम से सम्पर्क किया जा सकता है।

पड़ाना में गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

राजगढ़ (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने अपने भ्रमण के दौरान ग्राम पड़ाना में मनकामनेश्वर वेयर हाउस गेहूं उपार्जन केन्द्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र पर 04 तौल कांटें आवश्यकतानुसार बारदाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि किसानों को अपनी उपज बेचने में दिक्कत न आए यह सुनिश्चित किया जाए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित की पचोर शाखा का भी निरीक्षण किया।

जिले के 36 सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत व रंग-रोगन कर किया सुसज्जित

सरकारी स्कूलों के बच्चे बेहतर वातावरण में बैठकर पढ़ाई-लिखाई कर सकें

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

जिले के सरकारी स्कूलों के बच्चे बेहतर वातावरण में बैठकर पढ़ाई-लिखाई कर सकें। इस उद्देश्य से राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत जिला प्रशासन द्वारा स्कूल भवनों की मरम्मत व रंगाई-पुताई कर सुसज्जित किया जा रहा है। साथ ही इन स्कूलों में पेयजल व शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधायें भी मजबूत की जा रही हैं। इस कड़ी में पिछले एक साल के दौरान 36 स्कूल भवनों को सुसज्जित किया जा चुका है। कलेक्टर रुचिका चौहान एवं जिला पंचायत के मुख्य

कार्यपालन अधिकारी स्कूलों की मरम्मत व अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण पर स्वयं नजर रख रहे हैं। कलेक्टर चौहान की पहल पर स्कूल भवनों का जीर्णोद्धार, सर्वशिक्षा अभियान व जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से कराया जा रहा है। सरकारी स्कूल के भवनों में जरूरत के मुताबिक खराब हुए प्लास्टर को हटाकर नवीन प्लास्टर, खिड़की, दरवाजों व दीवारों पर आकर्षक रंग-रोगन, फर्श में टाईल्स लगाना, छतों और सीलिंग की मरम्मत और वाटर प्रूफिंग जैसे कार्य कराए जा रहे हैं। साथ ही इन सभी स्कूलों के शौचालयों की मरम्मत कर क्रियाशील किया गया है। स्कूलों की मरम्मत हो जाने से बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावक भी खुश हैं, इससे संबंधित गाँवों व मोहल्लों में बच्चों को स्कूल भेजने के लिये सकारात्मक माहौल बना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में विभागीय कार्ययोजना की समीक्षा

सीईओ पंकज जैन ने आठ विभागों की बैठक ली

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन लाइन डिपार्टमेंटों के द्वारा विभागीय कार्ययोजना तय की जा रही है। जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन ने गुरूवार को प्रमुख आठ विभागो के द्वारा तय की गई कार्ययोजना की पृथक-पृथक समीक्षा कर अभियान के तहत क्रियान्वित कार्यो व उद्धेश्यों की प्राप्ति के लिए निहित बिन्दुओं, लक्ष्यों सहित जानकारियां सांझा कर उनके अनुसार कार्ययोजना को मूर्तरूप देने के निर्देश दिए गए है। जिला पंचायत में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 की विभागीय कार्ययोजना बैठक में

जल संसाधन विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला शिक्षा, जनसम्पर्क, जन अभियान परिषद, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शहरी विकास अभिकरण, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब हो कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से शुरू होकर तीस जून तक क्रियान्वित किया जाएगा।

विधायक टंडन ने फीता काटकर पुस्तक मेला का शुभांरभ किया

किताबों एवं अन्य सामग्री पर न्यूनतम दस प्रतिशत की छूट

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

अशासकीय विद्यालयों में संचालित किताबे व अन्य सामग्री अभिभावको व बच्चों को सुगमता से एक ही छत के नीचे प्राप्त हो इसके लिए जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है।

विदिशा विधायक मुकेश टण्डन ने फीता काटकर व सभी अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर पुस्तक मेले का शुभांरभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी व जनप्रतिनिधि साथ मौजूद रहें। रविन्द्रनाथ टेगौर सांस्कृतिक भवन (आडिटोरियम) में आयोजित पुस्तक मेला में बुक सेलर स्टॉलो में संचालको द्वारा जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों का संयुक्त रूप से बुके भेंटकर स्वागत किया गया। अतिथियों के द्वारा भ्रमण कर स्टॉलों का जायजा लिया और जिला प्रशासन के द्वारा किए गए नवाचारो की प्रशंसा की है। गौरतलब हो कि पुस्तक मेला में दस विभिन्न बुक सेलरो के स्टॉल लगाए गए है जिन पर अशासकीय विद्यालयो की निर्धारित एनसीईआरटी पुस्तको के अलावा कॉपियां सहित शैक्षणिक सामग्री पर न्यूनतम दस प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

पुस्तक मेला सफलता की लिख रहा नई इबारत, यूनिफार्म और शैक्षणिक सामग्री से बच्चों और अभिभावकों के खिल रहे चेहरे

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ कर रहीं बच्चों में आत्मविश्वास का संचार, झूले और फूड स्टॉल बने आकर्षण का केंद

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

स्कूली बच्चों और अभिभावकों को न्यूनतम दरों पर पुस्तक, कॉपी एवं यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक भवन के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा पुस्तक मेला सफलता की नई इबारत लिख रहा है। जिला प्रशासन द्वारा 25 मार्च से 5 अप्रैल तक लगाए जा रहे बारह दिवसीय पुस्तक मेले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे और अभिभावक पहुंचकर शैक्षणिक सामग्री की खरीदी पर खासी छूट प्राप्त कर रहे हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की स्मृतियां भी अपनी यादों में हमेशा के लिए अंकित करने के साथ ही मेला स्थल पर बनाये गये फूड जोन में जाकर स्वादिष्ट व्यंजनों का जायका भी ले रहे हैं। पुस्तक मेला के आयोजन के दसवें दिन आज सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं

चिकित्सक डॉ प्रदीप दुबे ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बाल कलाकारों द्वारा दी गईं एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियों ने कला प्रेमियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने वाले विभिन्न स्कूल के बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनका उत्साहवर्धन भी किया गया द्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ प्रदीप दुबे ने पुस्तक मेला के आयोजन के लिए जिला प्रशासन को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पुस्तक मेला को समाज को सशक्त करने वाला आयोजन बताया और कहा कि यहां बच्चों और अभिभावकों को पुस्तक, कॉपियां एवं अन्य शैक्षणिक सामग्रियां रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। डॉ दुबे ने अशिक्षा को गरीबी का मूल कारण बताया। उन्होंने प्रचलित कहावत एशियन टाइगर करवट बदल रहा है का जिक्र करते हुए कहा कि इस कहावत में एशियन टाइगर शब्द का प्रयोग भारत के विद्यार्थियों के लिए किया गया है। अमेरिका की सिलिकॉन वैली में कहा जाता है कि 21 वीं शताब्दी भारत के विद्यार्थियों के लिए है। भारत के विद्यार्थी जीवन में आने वाली कठिनाइयों को परास्त कर आज संपूर्ण विश्व में छाए हुए हैं।

सभी सरकारी एवं निजी अस्तपालों में फायर सेफ्टी के पुख्ता इंतजाम कराए जांए : खत्री

संभाग आयुक्त ने दोनों संभागों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को दिए लिखित निर्देश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने ग्वालियर संभाग के सभी जिलों के सरकारी एवं निजी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अग्नि दुर्घनाओं से बचने के लिये फायर ऑडिट कराने की हिदायत भी उन्होंने दी है। इस सिलसिले में संभाग आयुक्त खत्री ने ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को लिखित में पत्र जारी कर दिशा-निर्देश दिए हैं। खत्री ने एक हफ्ते के भीतर यह कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए हैं। संभाग आयुक्त खत्री ने स्पष्ट किया है कि संभाग के सभी जिलों में 50 बिस्तरीय निजी चिकित्सालयों में फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र उपलब्ध होना अनिवार्य है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण कर फायर सेफ्टी के इंतजामों व

प्रमाण-पत्र की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। साथ ही 50 बिस्तर से कम क्षमता वाले चिकित्सालयों में भी फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कराकर इनके उपयोग का प्रशिक्षण भी वहां के कर्मचारियों को दिलवाएं। सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्वास्थ्य संस्थाओं में अग्निशमन यंत्र लगे हों और ये सभी यंत्र निरंतर रूप से सक्रिय भी रहें, इस बात का बारीकी से निरीक्षण किया जाए। चिकित्सकों सहित स्वास्थ्य संस्थाओं के सभी स्टाफ को अग्निशमन यंत्रों के संचालन की जानकारी भी होनी चाहिए। इसके लिये सतत प्रशिक्षण व मॉकड्रिल कराने पर संभाग आयुक्त ने बल दिया है। संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि यदि किसी नर्सिंग होम के पंजीयन की अवधि के पूर्व फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होती है तो समय रहते अस्पताल संचालक को फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र नवीनीकरण के लिये निर्देशित किया जाए। आपात स्थिति में भर्ती रोगियों की निकासी एवं आपात द्वार पर उचित साइनेज के प्रदर्शन पर भी संभाग आयुक्त ने बल दिया है। फायर सेफ्टी से संबंधित सभी मानक प्रक्रियायें अपनाने के उन्होंने निर्देश दिए हैं। अस्पतालों में फायर सेफ्टी के लिये नगर निगम, नगर पालिका व नगर परिषद एवं जिले के विद्युत सुरक्षा अधिकारियों से आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर फायर सेफ्टी के पुख्ता इंतजाम करने पर संभाग आयुक्त ने जोर दिया है।

न्यायाधीश के मार्गदर्शन में विधिक जागरूकता शिविर सेवा का आयोजन

कर्मचारीगणों को जेजे एक्ट के नियमों से अवगत कराया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन विभिन्न स्थलो पर किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि गुरूवार को शिशु गृह यशोदा एडाप्शन सेन्टर एवं बालिका सम्प्रेक्षण गृह में विधिक जागरूकता शिविर सह निरीक्षण के कार्यो को संपादन हुआ है।

जिला न्यायाधीश सुरेखा मिश्रा ने यशोदा एडाप्शन सेन्टर के कर्मचारीगणो को जेजे एक्ट के नियमों से अवगत कराया है वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव तोमर ने संस्था में बच्चो को उम्र के हिसाब से उनको खानपान देने एवं सही ढंग से देखभाल करने के संबंध में मार्गदर्शी निर्देश दिए है। इस दौरान शिशु गृह एडाप्शन सेन्टर एवं बालिका सम्प्रेक्षण गृह में संधारित विभिन्न पंजियों का भी न्यायाधीशगणो द्वारा अवलोकन किया गया और संधारण के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए है। इस अवसर पर शिशु गृह के प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि अभी दो बच्चे है जबकि अतिरिक्त बालिका सम्प्रेक्षण गृह में तीन बालिकाएं संरक्षण में पाई गई वहीं छह महीने से रह रही बालिका को उच्च न्यायालय द्वारा जमानत स्वीकार किए जाने पर उसे उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया है।

नक्सल इलाके में भ्रष्टाचार का खेल : आंगनबाड़ी मरम्मत के नाम पर लाखों की लूट, सप्लायर और पंचायत सचिव ने किया घोटाला

धुर नक्सल प्रभावित नेशनल पार्क इलाके में दहशत की वजह से जिम्मेदार अधिकारी कभी जांच के लिए नहीं जाते

बीजापुर (एजेंसी)।

नक्सल दहशत की आड़ में ब्लॉक के गांवों में 15वें वित्त की राशि में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया। जनपद के अधिकारियों और पंचायत सचिवों ने सप्लायर फर्म के साथ गठजोड़ कर लाखों रुपये के वारे-न्यारे कर लिए। धुर नक्सल प्रभावित नेशनल पार्क का इलाका अब भ्रष्टाचार का गढ़ बनता जा रहा है। ताजा मामला आंगनबाड़ी के रिपेयरिंग के नाम पर निकाली गई राशि का है। दरअसल, गांवों में आंगनबाड़ी है ही नहीं और लाखों रुपये उसकी मरम्मत के नाम पर निकाल लिए गए। भोपालपटनम ब्लॉक के अंदुरुनी एड़ापल्ली, बड़ेकाकलेड, सेंड्रा, केरपे पंचायतों में यह कारनामा किया गया है। केंद्र सरकार ने इन पंचायतों में विकास के लिए जो राशि भेजी, उसमें सेंध लगाई गई है। पंचायत सचिव ने एक सप्लायर फर्म के साथ सांठगांठ करके 15वें वित्त से इन पंचायतो में 50-50 हजार की राशि भवन मरम्मत के नाम राशि निकाली है। जेल से छूटे सचिव को दो पंचायतों का प्रभार एड़ापल्ली और बड़ेकालेड़ के पंचायत सचिव गोटा समैया भ्रष्टाचार के मामले में पहले जेल जा चुके हैं। इसके बावजूद जब वे बहाल होकर लौटे तो उन्हें दो-दो पंचायत का प्रभार देकर दिया गया है। नेशनल पार्क एरिया में इन्होंने अब तक लाखों का भ्रष्टाचार किया है। वन जीव संरक्षण योजना में गड़बड़ी के मामले में जेल की हवा खा चुके हैं। नेशनल पार्क की पंचायतों में बिना प्रयोजन, बिना जीओ टैग के फर्जी बिल और अमान्य फोटो लगाकर लाखों रुपये का भुगतान अपने चहेते सप्लायर के नाम पर नियम खिलाफ किया गया है। हैरानी की बात यह है कि अधिकारी भी फर्जी, बिल अमान्य फोटो वाले बिलों की जांच करे बिना ही लाखों रुपये का बिल पास कर भुगतान करते रहे। मामले में एक चौंकाने वाली जानकारी यह भी सामने आई है कि एक ही वेंडर के नाम पर लाखों रुपये जारी किए गए हैं। मरम्मत का काम एक ही व्यक्ति को देकर बंदरबांट किया गया है। नेशनल पार्क क्षेत्र के बड़ेकाकलेड के सप्पीमरका आंगनबाड़ी केंद्र, फूलगुंडम आंगनबाड़ी केंद्र, छोटेकाकलेड़, कनलापर्ती, पीलूर में मरम्मत के नाम पर राशि निकाली गई। इसके अलावा और भी कई पंचायतें हैं, जहां इसी तरह से बंदरबांट किया गया है। जिम्मेदारों से बात की तो उन्होंने कहा कि पंचायतों में आंगनबाड़ी संचालित तो है, लेकिन भवन वहां नहीं है। आंगनबाड़ी के बच्चों को सहायिका अपने घरों में बैठाकर संचालन कर रही हैं। चार पंचायतो में कुल 39 आंगनबाड़ी संचालित हैं, लेकिन एक का भी भवन नहीं हैं।

10 साल बाद भी राजस्व में दर्ज नहीं हुआ गावों का नाम, अधूरी पड़ीं मूलभूत जरूरतें

विस्थापित किसान वर्षों से अपनी समस्या लेकर कलेक्टर और प्रशासन से लगा रहे गुहार

बलौदाबाजार-भाटापारा (एजेंसी)।

बलौदा बाजार जिले के बारनयापारा अभ्यारण्य क्षेत्र के वन ग्राम रामसागर पारा, श्रीरामपुर और लाटादादर से जिले में विस्थापित किसान सालों से अपनी समस्या और परेशानी को लेकर कलेक्टर और प्रशासन से गुहार लगा रहे है। 10 साल बाद भी इन किसानों की समस्या जस की तस है और प्रशासनिक अधिकारी इस ओर सुध तक नहीं ले रहे। इन वन ग्रामों के ग्रामीणों को जिला महासमुंद में साल 2013-14 में विस्थापित कर बसाया गया था। तत्कालीन सरकर ने तब इन ग्रामवासियों से मूलभूत जरूरतों, रोटी, कपड़ा और मकान के साथ खेती किसानी के सारे संसाधन देने का वादा किया। आज दस वर्ष से ज्यादा समय में सरकारें तो बदल गईं, लेकिन आज भी मूलभूत जरूरतें तो छोड़िये, आज तक ये गांव रास्स्व रिकॉर्ड में दर्ज तक नहीं किया गया। ऑनलाइन रिकॉर्ड में इन गांवों को नहीं दर्शाने की वजह से ग्रामवासियों को न तो किसान क्रेडिट कार्ड बन पा रहा है और न ही यहां के किसान अपनी फसल समर्थन मूल्य पर बेच पा रहे हैं। विस्थापित ग्राम के इन ग्रामीणों का राजस्व दुरुस्त नहीं होने के कारण इनके परिवार के बच्चों के पढ़ाई तक की एक बड़ी समस्या है। इसके अलावा जमीन का खसरा नक्शा, आय, जाति, निवास जैसे कागजात भी राज्सव रिकार्ड में दर्ज नही होने की वजह से नहीं बन पा रहा है। किसान कर्ज लेना चाहता है, लेकिन इन किसानों को कोई बैंक कागजात की वजह से स्वीकार नही कर पा रहा है। ऐसे में किसान बीते दस सालों में अनेक बार प्रशासन के चौखट पर माथा रगड़ चुके हैं, लेकिन आजतक इनकी समस्या का समाधान नही हो पाया। बहरहाल एक बार फिर ग्रामीण किसानों को महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आश्वासन दिया है कि इन गांवो की समस्या का समाधान जांच कर निपटारा किया जाएगा।

जुआरियों की महफिल पर छापा : जांजगीर चांपा में 12 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा

पकड़े गए लोगों के पास से मोबाइल, नकदी बरामद हुई

जांजगीर चांपा (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा में पुलिस ने जुआरियों पर कार्रवाई की है। जहां अलग-अलग जगहों से 12 लोगों को दबोचा है। वहीं पकड़े गए लोगों के पास से मोबाइल, नकदी बरामद हुई है। वहीं पांच मोटर साइकिल भी जब्त की हैं। जांजगीर चांपा जिले में इन दिनों जुआ खेलने वाले लोगों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जहां शिवरीनारायण थाना क्षेत्र से 5 और पामगढ़ थाना क्षेत्र से 7 कुल 12 लोगों को जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा है। इनके पास से 18,600 रुपये और 4 मोबाइल, पांच मोटर साइकिल को जब्त किया है। दरअसल, पामगढ़ पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बरगांव में तालाब के पास कुछ लोग पैसे का दाव लगाकर जुआ खेल रहे थे। जिसपर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सात लोगों को जुआ खेलते पकड़ा। इनके पास से 8100 रुपे नगदी रकम और 4 नग मोबाइल, 5 मोटर साइकिल को मौके पर से जब्त किया गया। वहीं शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़पार कांजी नाला के पास जुआ खेलते 5 लोगों को पकड़ा गया है। जिनके पास से 10500 रुपये नकदी जब्त की है।

महात्मा गांधी नरेगा योजना : मजदूरों की दिहाड़ी में 18 रुपये का इजाफा

इसके पहले 243 रुपये प्रतिदिन मजदूरी भुगतान होता था, अब प्रतिदिन मिलेंगे 261 रुपये

कबीरधाम (एजेंसी)।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत कार्य करने वाले पंजीकृत अकुशल श्रमिकों को एक अप्रैल 2025 से 261 रुपये का मजदूरी भुगतान किया जाएगा। इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा मजदूरी दर में वृद्धि की अधिसूचना जारी की गई है, जो तत्काल प्रभाव से जिला कबीरधाम में भी लागू हो गई है। मजदूरी दर में हुई वृद्धि के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजना में कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए पूरे देश में नई अकुशल दर की घोषणा की गई है। इसी क्रम में राज्य के पंजीकृत अकुशल श्रमिकों को भी इसका फायदा मिलेगा। इसके पहले 243 रुपये प्रतिदिन मजदूरी भुगतान होता था, जिसमें भारत सरकार द्वारा वृद्धि करते हुए 261 रुपये कर दिया गया है। यानि, 18 रुपये बढ़ाए गए हैं। ज्ञात हो कि मनरेगा अंतर्गत बड़ी संख्या में जिले के ग्रामीण मजदूरी मूलक कार्य में नियोजित किए जाते हैं, जिन्हें प्रतिदिन के हिसाब से मजदूरी भुगतान किया जाता है। दिए गए टास्क के आधार पर कार्य के दौरान प्रत्येक सप्ताह मजदूरी भुगतान श्रमिकों के बैंक खाते में सीधे जारी किया जाता है।

भूपेश बघेल बोले, मोगैंबो खुश हुआ की तर्ज पर काम कर रहे भाजपाई

बीजेपी को मैं खटक रहा इसलिये बदले की कार्रवाई

रायपुर (एजेंसी)।

सीबीआई की ओर से एफआईआर दर्ज किये जाने के मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सवाल खड़ा करते हुए केंद्र की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब-जब मोदी और शाह का छत्तीसगढ़ दौरा हुआ, उसके पहले सीबीआई और ईडी का दौरा हो जाता है। अभी प्रधानमंत्री आए, उसके पहले सीबीआई की रेड पड़ी। 40-50 जगह पर सीबीआई की रेड पड़ी। अब अमित शाह आ रहे हैं।

18 दिसंबर साल 2024 की एफआईआर को पब्लिक डोमेन में कल भेजा गया। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह मोगैंबो खुश हुआ की तर्ज पर काम किया जा रहा है। कुल मिलाकर मोगैंबो को खुश करना है। पूर्व सीएम बघेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि सात साल पुराने केस में मैंने गिरफ्तारी दी थी जब उस केस में कोर्ट ने मुझे सीबीआई के आरोपों से डिस्चार्ज कर दिया तो अब नया खेल शुरू हुआ है। पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनना और पंजाब का प्रभारी बनना बीजेपी खटक रहा है इसलिए बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। हम डरने और झुकने वालों में से नहीं हैं। महादेव सट्टा एप के मामले में ईडी ने केस ईओडब्ल्यू को सौंपा, ईओडब्ल्यू ने सीबीआई को सौंपा। 18 दिसंबर 2024 की एफआईआर को हुई थी, अब पब्लिक में लाया गया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के पास इसके खिलाफ कोई कानून नहीं है। 1867 गेमिंग एक्ट अंग्रेजों के समय का है।

देश-विदेश

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज कार्यक्रम के दौरान स्टेज से गिरे

कैनबरा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज एक माइनिंग यूनियन सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे, जहां पोज देने के लिए जैसे ही कुर्सी से उठे स्टेज से गिर गए। राहत की बात यह रही कि उन्हें किसी तरह की कोई चोट नहीं लगी। उनके स्टेज से गिरने का वीडियो वायरल हुआ है। जानकारी अनुसार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज एक कार्यक्रम के दौरान मंच से गिर गए। दरअसल भाषण के बाद जैसे ही वो फोटो खिंचवाने के लिए उठे, तभी लड़खड़ा कर स्टेज से नीचे गिर गए। बताया जा रहा है कि उनका पैर फिसला और वो मंच के पीछे की तरफ गिरे। वहां मॉजूद लोगों ने तुरंत ही उन्हें सहारा देकर उठा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई। घटना घटित होने के चंद मिनट बाद ही वो मंच पर वापस आए और हंसते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस घटना से सभी हैरान रह गए। यह घटना न्यू साउथ वेल्स में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई है। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री एंथनी के गिरने का वीडियो वायरल हुआ है।

जिन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड डोनाल्ड ट्रंप भड़कते थे उन्ही पर नहीं लगाया टैरिफ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यह जगजाहिर है कि डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर अपने गुस्से का बार-बार इजहार किया था। उनका मानना है कि कनाडा और मैक्सिको अमेरिका को व्यापार में नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये देश अवैध प्रवासियों व ड्रग्स खासकर फेंटेनाइल की तस्करी रोकने में नाकाम हैं। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि इन देशों को सब्सिडी देने का कोई मतलब नहीं और टैरिफ से अमेरिकी हितों की रक्षा होगी। हालांकि, ट्रंप की टैरिफ धमकी का कनाडा और मैक्सिको ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया था। कनाडा और मैक्सिको ने जवाबी टैरिफ की धमकी दी थी जिससे ट्रंप और भड़क गए थे। मैक्सिको और कनाडा को लेकर ट्रंप का रुख सख्त था कि या तो ये देश उनकी शर्तें मानें, या आर्थिक दबाव झेलें, मगर जब टैरिफ की घोषणा हुई तो सबकी नजर इसी बात पर थी कि डोनाल्ड ट्रंप कनाडा और मैक्सिको पर कितना टैरिफ लगाकर अपने गुस्से का फिर से इजहार करते हैं। मगर टैरिफ लिस्ट में कनाडा और मैक्सिको का नाम नहीं होने से सब हैरान हैं। सबके मन में यही सवाल है कि आखिर ट्रंप के टैरिफ वाले गुस्से से कनाडा और मैक्सिको क्यों बच गए। कैसे अमेरिका ने उन दोनों देशों पर टैरिफ नहीं लगाया। तो चलिए इसका असली कारण जानते हैं। दरअसल, यूएसएमसीए का पूरा नाम यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट है। यूएसएमसीए (यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट) ट्रंप के पहले कार्यकाल में लागू हुआ था। यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है।

शिवाजी सेकुलर थे कभी मस्जिद पर हमला नहीं किया, उन्होंने हर धर्म की इज्जत की

नितिन गडकरी और शशि थरूर ने की छत्रपति शिवाजी के मूल्यों की तारीफ

मुंबई (एजेंसी)।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को 100 फीसदी सेकुलर बताया है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को मानने वाले शासक थे। शिवाजी पर एक पुस्तक का विमोचन करते हुए गडकरी ने कहा कि भारतीयों के दिल में उनका एक खास स्थान है। उन्होंने कहा कि वह मेरे और मेरे माता-पिता के लिए भी खास स्थान रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज सेकुलर शब्द बहुत ज्यादा प्रचलन में है, लेकिन इंग्लिश डिक्शनरी में जो सेकुलर शब्द है, उसका अर्थ पंथनिरपेक्षता से नहीं है। उन्होंने कहा कि सेकुलर का अर्थ है कि सभी पंथों का एक समान सम्मान हो। सेकुलर का यही अर्थ है। शिवाजी महाराज ने अपना जीवन लोक कल्याण को समर्पित किया और सेकुलर मूल्यों के साथ काम करते रहे।

महाराष्ट्र सदन में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि शिवाजी महाराजने अपनी जिंदगी में कई युद्ध लड़े, लेकिन उन्होंने कभी किसी मस्जिद पर हमला नहीं किया। उन्होंने हमेशा महिलाओं का सम्मान किया। वह जनता के प्रति समर्पित शासक थे। उनका प्रशासन सख्त था और जनता के लिए हितैषी था। गडकरी ने प्रतापगढ़ की लड़ाई का जिक्र करते हुए कहा कि यह लड़ाई 10 नवंबर, 1659 में हुई थी। उन्होंने कहा कि यह युद्ध शिवाजी महाराज और बीजापुर के सैनिकों के बीच हुआ था, जिनका नेतृत्व मुसलमान अफजल खान कर रहे थे। अफजल खान जब जंग में शहीद हो गए तो शिवाजी ने अपने सैनिकों को आदेश दिया कि अफजल खान को पूरे सम्मान के साथ प्रतापगढ़ किले में ही दफनाया जाए। उन्होंने जिन सैनिकों को आदेश दिया था, वह मुस्लिम समुदाय के ही थे और उनकी सेना का सालों से हिस्सा थे और उनके साथ कई लड़ाईयां लड़ी थीं। इस मौके पर कांग्रेस के सांसद शशि थरूर भी मौजूद थे। थरुर ने कहा कि मुझे खुशी है कि नितिन गडकरी ने शिवाजी महाराज के सेकुलर मूल्यों की बात की। शिवाजी के प्रशंसक भी उनकी इस खूबी की बात कम करते हैं। थरूर ने कहा कि शिवाजी महाराज ने बहुत सी लड़ाइयां लड़ीं। फिर भी वह सेकुलर मूल्यों पर कायम रहे। उन्होंने अपने सैनिकों को सख्त निर्देश दिया था कि यदि उन्हें कभी इस्लाम की पवित्र किताब कुरआन मिले तो उसे सम्मान से अपने पास रखें और उसकी इज्जत करें, जब तक कि कोई मुस्लिम उन्हें न मिले।

उन्होंने कहा कि ऐसे ही शिवाजी के मूल्य थे। हम सभी लोग जानते हैं कि महाराज शिवाजी महिलाओं का कितना सम्मान करते थे। उनकी सेना में हर जाति और समुदाय के लोग थे।

सांसद ठाकुर पर आगबबूला हुए खरगे ने कहा, मैं झुकूंगा नहीं

आरोप सही साबित होने नी खुद इस्तीफा दूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को राज्यसभा में पुष्पा फिल्म का डायलॉग बोलकर कहा कि वे झुकने वाले नहीं है। दरअसल, खरगे वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान बुधवार को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर पलटवार कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद ठाकुर ने उन पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, अगर वे आरोप सही साबित होते हैं, तब वह खुद इस्तीफा दे दूंगा। खरगे ने कहा कि अनुराग ने कल दूसरे सदन (लोकसभा) में मुझ पर जो आरोप लगाए, उनसे मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के इसतरह के हथकंडों के आगे नहीं झुकने वाले है। खरगे ने कहा कि अगर भाजपा के लोग मुझे डराकर झुकाना चाहते हैं, तब मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं टूट जाऊंगा लेकिन झुकूंगा नहीं। बता दें कि वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद ठाकुर ने आरोप लगाया था कि खरगे ने वक्फ की जमीन हड़पी है। इस बयान पर खरगे अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने बयान के लिए भाजपा सांसद से माफी मांगने की भी मांग की है। उन्होंने कहा, मेरा जीवन हमेशा एक खुली किताब की तरह रहा है। यह संघर्षों और लड़ाइयों से भरा रहा है। मैंने हमेशा सार्वजनिक जीवन में सर्वोच्च मूल्यों को बरकरार रखा है। राजनीति में करीब 60 साल बिताने के बाद, मैं ऐसी उम्मीद नहीं कर सकता हूं।

गर्मी दिखाने लगी असर, देश के कई राज्यों में हो सकती है बारिश दिल्ली-एनसीआर में 4 से 5 दिनों में 40 डिग्री पहुंच सकता है पारा

मौसम विभाग ने दिल्ली, राजस्थान, मप्र , उप्र, उत्तराखंड व छत्तीसगढ़ के लिए अलग-अलग पूर्वानुमान लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अब गर्मी अपना असर दिखाने लगी है, लेकिन कुछ जगहों पर अभी भी बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के लिए अलग-अलग पूर्वानुमान लगाए हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान बढ़ने के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश में बारिश की संभावना है। यूपी में गर्मी बढ़ रही है, जबकि राजस्थान के तापमान में भी बढ़ोतरी होगी, उत्तराखंड में गर्मी का प्रकोप जारी है, तो छत्तीसगढ़ में बारिश की संभावना जताई जा रही है। देश के कई राज्यों में अप्रैल से जून तक भीषण गर्मी पड़ सकती है। मध्य प्रदेश में कई जगहों पर बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही हैं। तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। अगले 4 से 5 दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। बीते दिनों प्रदेश के कई हिस्सों में लू का अलर्ट जारी किया था, लेकिन अभी करीब 3 से 4 दिनों तक लू का दौर जारी रहेगा। बिहार में गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यहां तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

सीएम स्टालिन ने कहा, डीएमके सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन बिल को देगी चुनौती

डीएमके विधायकों ने विधानसभा सत्र के दौरान काली पट्टियां बांधकर विरोध किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने की कड़ी निंदा की और घोषणा की के डीएमके इस विधेयक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। विधानसभा में बोल रहे सीएम स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु लड़ेगा और इस लड़ाई में सफलता भी हासिल करेगा। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के विरोध में डीएमके विधायकों ने विधानसभा सत्र के दौरान काली पट्टियां बांधकर विरोध दर्ज कराया। स्टालिन ने सदन को याद दिलाया कि 27 मार्च को तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें वक्फ संशोधन विधेयक को वापस लेने का आग्रह किया गया था। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि यह विधेयक धार्मिक सद्भाव को कमजोर करता है और अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। सीएम स्टालिन ने कहा, कि देश भर में अधिकांश राजनीतिक दलों ने इस विधेयक का विरोध किया, फिर भी इसे लोकसभा में पारित कर दिया गया, जो अत्याधिक निंदनीय है।

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

शुक्रवार को मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शक्रवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में

अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं। बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।मुंबई को अगर सुपर जॉइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूयकुमार यादव।

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी को लेकर संशय

चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की खेल में वापसी को लेकर संशय बना हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह चैम्पियंस ट्रॉफी भी नहीं खेल पाये। अब उनके इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाएं हैं। फिट नहीं होने के कारण ही वह आईपीएल से भी बाहर हैं। उनके अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद थी पर अब इसकी संभावना नहीं हैं। ऐसे में उनके प्रशंसकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम उनकी वापसी को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करना चाहती। मेडिकल टीम नहीं चाहती कि मैदान पर वापसी के बाद उनके फिर चोटिल होने का खतरा हो। वहीं सकारात्मक बात ये है कि बुमराह ने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है पर अभी वह पूरी ताकत और क्षमता से गेंद नहीं फेंक रहे हैं। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में

बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। टीम उनकी क्रिकेट के मैदान पर वापसी को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है क्योंकि इसमें जोखिम हो सकता है। इससे वह स्ट्रेस फैक्टर का शिकार हो सकते हैं। मेडिकल टीम का मानना है कि बुमराह को 100 प्रतिशत फिट होने पर ही वापसी करनी चाहिये। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बुमराह की चोट थोड़ी ज्यादा गंभीर है। मेडिकल टीम ये पक्का करना चाहती है कि वह फिर स्ट्रेस फैक्टर का शिकार न हों। बुमराह स्वयं भी इस मामले में सावधानी रख रहे हैं।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

आईपीएल में करोडों की रकम मिली पर अब तक फ्लाप रहे ये क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में ऋषभ पंत, वेंकटेश अय्यर सहित पांच स्टार खिलाड़ी करोड़ों की रकम पाने के बाद भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इस सत्र के लिए हुई मेगा निलामी में इन 5 खिलाड़ियों को 13 या इससे ज्यादा रुपये मिले पर इनका प्रदर्शन उसके करीब भी नहीं रहा। आईपीएल नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ रुपये लगाकर ऋषभ पंत को अपने साथ जोड़ा और कप्तान भी बनाया पर वह तीन मैचों में अब तक सिर्फ 17 रन बना पाए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था पर तीन मैचों की दो पारियों में वे केवल 9 रन रन बना पाए हैं। पहले मैच में 6 रन, दूसरे में बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला और तीसरे में 3 रन बनाए हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को इस सत्र के लिए मेगा ऑक्शन के पहले रिटेंशन के तौर पर 16 करोड़ 30 लाख रुपये मिले। हालांकि, उनका प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा है। रिंकू सिंह अभी तक आईपीएल में सिर्फ लाखों रुपयों में खेल रहे थे पहली बार उन्हें आईपीएल 2025 के रिटेंशन में केकेआर ने 13 करोड़ रुपये में बनाये रखा। रिंकू हालांकि इसके हिसाब से प्रदर्शन नहीं कर पाये। वह 3 मैचों की 2 पारियों में 29 रन रन बना सके हैं। एक मैच में उन्होंने 12 और एक मैच में 17 रन बनाए हैं।

ईशान को इस बार भी बीसीसीआई अनुबंध मिलने की संभावना नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन आजकल आईपीएल खेल रहे हैं। ईशान का इसमें अब तक का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। पहले ही मैच में उन्होंने शतक लगाया था पर बाद के मैचों में वह रन नहीं बना पाये। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड आने समय में केन्द्रीय अनुबंध देने जा रहा है। इसमें इस बार भी ईशान को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ईशान को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले बार भी अनुबंध नहीं मिला था। ईशान केअलावा श्रेयस अय्यर को भी पिछले साल अनुबंध नहीं मिला था पर इस बार जहां श्रेयस की वापसी तय है, वहीं ईशान को अभी इंतजार करना होगा। श्रेयस ने बीसीसीआई की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेल लिया था और इससे उनकी भारतीय टीम में भी वापसी हो गयी थी। अभी श्रेयस आईपीएल में भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई अनुबंध सूची अभी जारी नहीं हुई है पर कहा जा रहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को इसमें ए प्लस में ही बनाये रखा जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई श्रेयस को अपना अनुबंध वापस दे सकती है।

सिर्फ दो मैच खेलकर स्वदेश लौटे गेंदबाज कगिसो रबाडा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा निजी कारणों की वजह से टीम का साथ छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। वह बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे। कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के दौरान बताया था कि रबाडा इस मैच में नहीं खेलेंगे। इस मैच में गुजरात ने रजत पाटीदार की टीम को उनके घर में आठ विकेट से हराया था। दक्षिण अफ्रीका के घातक गेंदबाज के स्वदेश लौटने की जानकारी देते हुए गुजरात टाइटंस ने बताया कि रबाडा को निजी कारणों से लौटना पड़ा है। हालांकि, टीम ने उनकी वापसी को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया। तेज गेंदबाज ने मौजूदा सत्र में गुजरात के लिए पहले दो मैच खेले। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने 41 रन देकर सिर्फ एक विकेट हासिल किया। इसके बाद मुंबई के खिलाफ उन्होंने 42 रन खर्च किए और महज एक ही विकेट हासिल किया। आरसीबी के खिलाफ तीसरे मैच में वह नहीं खेले। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली गुजरात टाइटंस अपने पहले तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। उनका अगला मुकाबला छह अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होगा, जिसके बाद वे नौ अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स की मेजबानी करेंगे।

घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली । मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने गुरुवार को उन खबरों का खंडन कर दिया जिनमें दावा किया जा रहा था कि सूर्यकुमार यादव अपने कुछ साथियों के साथ आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए गोवा की टीम में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। एमसीए ने कहा कि सूर्यकुमार यादव प्रत्येक प्रारूप में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने घरेलू क्रिकेट में मुंबई टीम का साथ छोड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए मंगलवार को मुंबई क्रिकेट संघ को पत्र लिखा और गोवा के लिए खेलने की इच्छा जताई। एमसीए ने यशस्वी की इस मांग को स्वीकार कर लिया है। 23 वर्षीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी अब 2025-26 सीजन में गोवा के लिए खेलेंगे। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सूर्यकुमार यादव भी मुंबई का साथ छोड़कर गोवा के लिए घरेलू क्रिकेट खेल सकते हैं। इन अटकलों को स्टार बल्लेबाज ने खुद खारिज किया था और साफ किया था कि वह किसी और टीम में शामिल नहीं होंगे। अब एमसीए ने भी इन अफवाहों पर बयान जारी किया है। एमसीए सचिव अभय हदाप ने एक बयान में कहा, मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को सूर्यकुमार यादव के कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ गोवा की टीम से जुड़ने को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों की जानकारी है। एमसीए के अधिकारियों ने आज सुबह सूर्य से बात की और हम पुष्टि कर सकते हैं कि ये अफवाहें पूरी तरह से निराधार और झूठी हैं।

अलग-अलग क्षेत्रों में छाये हैं रहे कुछ भारतीय पूर्व क्रिकेटर

कोई कोच का काम रहा है तो कोई कमेंटेटर तो कुछ नेता

मुम्बई (एजेंसी)। साल 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी आजकल अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय है। कोई कोच का काम रहा है तो कोई कमेंटेटर वहीं कुछ राजनेता भी बने हैं। तब भारतीय टीम में वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर, गौतम गंभीर, युवराज सिंह, सुरेश रैना और हरभजन सिंह सहित कई अन्य दिगग्ज भी शामिल थे। गौतम गंभीर और हरभजन सिंह संन्यास से लेने के बाद राजनीति में उतरे हैं। गंभीर ने साल 2019 के आम चुनाव में भाजपा के टिकट पर दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ा था और संसद बने थे। मगर इसके बाद एक बार फिर वह राजनीति से

संन्यास लेकर वह भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर हरभजन सिंह आम आदमी पार्टी की टिकट से राज्यसभा सांसद हैं। इसके साथ ही वह क्रिकेट कमेंट्री भी करते हैं। खेल से संन्यास के बाद कोचिंग करने वालों में सहवाग का भी नाम आता है। वह भारतीय टीम के कोच बनना चाहते थे पर सफल नहीं हुए। वह आईपीएल में पंजाब किंग्स की के कोच रहे थे।

यशस्वी जायसवाल अब मुम्बई की जगह गोवा में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे, सभी हैरान

ये फैसला काफी कठिन था पर कप्तानी का प्रस्ताव मिलने के कारण उन्होंने ये फैसला किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब घरेलू सत्र में मुम्बई की जगह गोवा से खेलते हुए नजर आयेंगे। यशस्वी के अचानक ही गोवा का रुख करने से सभी हैरान है पर अब इसका कारण सामने आया है।

यशस्वी ने कहा कि ये फैसला काफी कठिन था पर कप्तानी का प्रस्ताव मिलने के कारण उन्होंने ये फैसला किया है पर इसके बाद भी वह हमेशा मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के आभारी रहेंगे। वहीं इससे पहले यशस्वी ने आगामी घरेलू सत्र में गोवा का प्रतिनिधित्व करने के लिए एमसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था। यशस्वी ने कहा कि

उन्होंने शुरुआत से ही मुम्बई की ओर से खेला था इसलिए ये फैसला करना उनके लिए कठिन था। साथ ही कहा कि मैं आज जो कुछ भी हूं, वह मुंबई की वजह से हूं। इस शहर ने ही मुझे यहां तक पहुंचाया है। इसलिए में हमेशा ही एमसीए का आभारती रहूंगा हालांकि गोवा ने मुझे एक नया अवसर दिया है और जिसमें मुझे कप्तानी का अवसर मिला है। मेरा पहला लक्ष्य भारतीय टीम की ओर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा और जब भी मैं राष्ट्रीय टीम में नहीं रहूंगा, मैं गोवा के लिए खेलूंगा और उन्हें टूर्नामेंट में आगे ले जाने की कोशिश करूंगा। यह एक अहम मौका था, जो मेरे पास आया और मैंने इसे स्वीकार कर लिया.' इस क्रिकेट ने अंतिम बार मुंबई के लिए जम्मू और कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में खेला था, जहां उन्होंने रोहित के साथ पारी शुरु की थी।

आरसीबी की हार का कारण बने उसके ही पुराने गेंदबाज मोहम्मद सिराज

उन्हें इस बार रिटेन न कर आरसीबी पछता रही होगी, इस बार वह गुजरात की ओर से खेल रहे हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के शानदार प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 18 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 8 विकेट से हरा दिया। सिराज पिछले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में शामिल थे पर इस बार वह गुजरात की ओर से खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस बार रिटेन न कर आरसीबी पछता रही होगी। इस मैच में सिराज के सामने आरसीबी के गेंदबाज टिक नहीं पाये। सिराज ने बहुत ही कसी हुई गेंदबाजी की और आरसीबी के 3 बड़ विकेट लिए। उन्होंने 4 ओवर में केवल 19 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसी कारण

उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। वहीं पिछले सत्र में जब गुजरात और आरसीबी का पहला मुकाबला हुआ था तब भी सिराज ही प्लेयर ऑफ द मैच थे पर उस समय वह गुजरात की ओर से खेल रहे थे। आरसीबी ने इस बार सिराज को रिलीज कर दिया था। इसके बाद हुई नीलामी में टाइटंस ने उन्हें 12.5 करोड़ की बोली लगाकर उन्हें खरीदा था। इस बार मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। वहीं गुजरात ने जोस बटलर और साई सुदर्शन की विस्फोटक पारियों की सहायता से 18वें ओर में ही 8 विकेट से मैच जीत लिया। बटलर ने 39 गेंद में 73 जबकि सुदर्शन ने 36 गेंद में 49 रन बनाये। इस मैच में जीत से गुजरात के 4 अंक हो गए और वह चौथे नंबर पर पहुंच गयी है जबकि हार के बाद आरसीबी पहले से तीसरे नंबर पर फिसल गयी है।

वेन स्टोक्स के चोटिल होने से इंग्लैड टीम को लगा झटका

स्टोक्स को भारत के खिलाफ जून में टेस्ट सीरीज खेलनी है

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल हो गये है। इससे इंग्लैड की टीम केा करारा झटका लगा है क्योंकि उसे भारत के खिलाफ जून में टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसके लिए उसे तैयारी करनी है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की इस चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल को हालांकि भरोसा है कि वह भारतीय टीम के दौरे तक उबर जाएंगे। स्टोक्स छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान भी वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के

अनुसार स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। उनके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से भी नहीं खेलेंगे। वह भी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

तेजी से बढ़ रही यशस्वी जायसवाल की नेटवर्थ आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे हैं

उन्होंने आजाद मैदान में कई रातें टेंट में गुजारनी पड़ी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आजकल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे हैं। यशस्वी ने भारतीय टीम के अवसर मिलने के बाद लगातार अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह पक्की की है हालांकि उनका यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। यशस्वी क्रिकेटर बनने बचपन में ही उत्तरप्रदेश के शहर भदोही से निकलकर मुंबई पहुंचे थे। यहां यशस्वी को आजाद मैदान में कई रातें टेंट में गुजारनी पड़ी थी। ऐसा भी समय आया जब खाना भी उन्हें बड़ी मुश्किल से मिला हालांकि खेल के बल पर आज उनकी कमाई करोड़ों में पहुंच गयी है। उनकी नेटवर्थ में लगातार बढ़ती जा रही है। वह क्रिकेट के अलावा विज्ञापनों से भी काफी कमाई कर रहे हैं। यशस्वी को राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 ऑक्शन में 18 करोड़ में बरकरार रखा था। इससे उनकी कुल संपत्ति तेजी से बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 में यशस्वी की नेटवर्थ तकरीबन 16 करोड़ थी। आईपीएल 2025 ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अठारह करोड़ में बरकरार रखा.जिससे उनकी कुल संपत्ति और बढ़ गयी। वहीं साल 2022 में में उनकी नेटवर्थ लगभग 12 करोड़ थी। साल 2020 में उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 2 करोड़ 40 लाख रुपये में खरीदा था। 2021 में भी इस फ्रेंचाइजी ने इसी अनुबंध के साथ आगे बढ़ने का फैसला लिया लेकिन साल 2022 में राजस्थान ने उन्हें 4 करोड़ में अपने साथ बरकरार रखा था। 2023 में भी उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 4 करोड़ जायसवाल को अपने साथ बनाए रखा।

पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बताएं : बीसीसीआई

बीच सत्र में बदलाव संभव नहीं, बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रैंचाइजियों से कहा है कि कि वे पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बता दे। सत्र के बीच में इस बारे में कुछ न कहें। बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही है जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के मुख्य कोच जहीर खान ने कहा था कि पिच घरेलू हालातों के अनुसार नहीं बनी है। जहीर ने यहां तक कहा था कि इस पिच को देखकर ऐसा लगा जैसे पंजाब के किसी क्यूरेटर ने इसे तैयार किया हो। आईपीएल में अभी तक हुए मैचों में सुपरजायंट्स ही नहीं कई अन्य टीमों ने भी पिच

पर सवाल उठाये हैं। इन टीमों का कहना था कि उन्हें घरेलू मैदान का लाभ नहीं मिलता दिखा। बोर्ड के बयान से साफ है कि बीसीसीआई आईपीएल मैचों की पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई परेशानी नहीं है। बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया है कि फ्रैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में पहले से बताये क्योंकि किसी भी प्रकार का बदलाव एक ही सप्ताह में नहीं हो सकता। इसमें कहा गया है कि पिचें अबतक अच्छी रही हैं। वे ऐसी पिच की मांग कर सकते हैं जो गेंदबाजों को ज्यादा फायदा पहुंचाए पर इसके लिए फ्रैंचाइजी और क्यूरेटर्स के बीच में बेहतर संवाद की जरूरत है। ये सब एक सप्ताह में नहीं हो सकता। बीसीसीआई की गाउडलाइंस के मुताबिक, पिच का नेचर क्या हो, इसमें न तो किसी फ्रैंचाइजी की चलेगी और न ही किसी खिलाड़ी की। क्यूरेटर को ऐसी पिच तैयार करनी है जिससे तेज गेंदबाजों को भी सहायता मिले और स्पिनर्स को भी जिससे इनमें अच्छा संतुलन बना रहे।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

लगभग 11 हजार ग्रामीण कृषकों ने लिया मात्र 5 रुपये में कृषि पंप का कनेक्शन

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि ग्रामीण कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत वितरण कंपनी मात्र 5 रुपये में स्थायी कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा रही हैं। योजना के शुरू हुई होने से अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में लाभ 10 हजार 963 उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है। ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं, उनको सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिया जा रहा है।

88 हजार 115 प्रकरण दर्ज, 19410.53 लाख से अधिक की बिलिंग, 11587.17 लाख से अधिक की हुई वसूली

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा वर्ष 2024-25 में विद्युत की चोरी के 88 हजार 115 प्रकरण दर्ज कर 19410.53 लाख से अधिक की बिलिंग की जाकर 11587.17 लाख से अधिक की वसूली की गई है। कंपनी ने बताया कि विजिलेंस टीम द्वारा विद्युत चोरी की अनियमितताओं से संबंधित सूचनाओं के आधार पर की गई जांच में पायी गयी विद्युत चोरी की अनियमितता के आधार पर बिल की गयी राशि तथा प्रकरणों में गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष इजाफा हुआ है। कंपनी ने बताया कि जहां वर्ष 2024-25 में विद्युत चोरी के 88 हजार 115 प्रकरण दर्ज कर 19410.53 लाख से अधिक की बिलिंग सहित 11587.17 लाख से अधिक की वसूली की गई है। वर्ष 2023-24 में 74 हजार 579 प्रकरण के विरुद्ध 19776.48 लाख की बिलिंग की गई, जिसमें से 8632.95 लाख की वसूली हो चुकी है। इस तरह से गत वर्ष की तुलना में 2954.22 लाख की बढ़ोतरी हुई है।

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को पारितोषिक की 5 फीसदी राशि तुरंत मिलेगी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने धर्म, राष्ट्रीयता, न्याय और जनकल्याण के आधार पर की सुशासन की स्थापना: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मातृभूमि के सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया। सच्चे अर्थों में शिवाजी महाराज ने भारत में धर्म, राष्ट्रीयता, न्याय और जनकल्याण के स्तम्भों के आधार पर सुशासन की स्थापना की थी। उनका अप्रतिम साहस, अद्वितीय वीरता और आदर्श जीवन भावी पीढ़ियों को सदैव मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिन्दवी साम्राज्य के संस्थापक, राष्ट्र गौरव, वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्य-तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

भोपाल स्थित 6 संस्थान ईट राइट कैम्पस घोषित

भोपाल। भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण, भारत सरकार के द्वारा भोपाल स्थित वल्लभभवन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, एम.पी. वाल्मी, ताज लेकफ्रंट होटल, एस.एम.एच. हॉस्पिटल, तथा अपोलो सेज हॉस्पिटल को ईट राइट कैम्पस घोषित किया गया है। ईट राइट कैम्पस प्रमाणन की प्रक्रिया के दौरान संस्थानों में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के समस्त प्रावधानों के अनुपालन की जांच की जाती है। प्रशिक्षित पर्यवेक्षकों की देखरेख में स्वच्छतापूर्वक वातावरण में सुरक्षित तथा गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदाय करने वाले संस्थानों को फूड सेफ्टी ऑडिट के उपरांत ईट राइट कैम्पस घोषित किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में नवाचारों के लिए दी बधाई

रूक जाना नहीं योजना से अबतक 6.41 लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पालन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों पर प्रसन्नता व्यक्त कर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश का हर बच्चा पढ़े-लिखे, आगे बढ़े, इसके लिए पूरी सरकार समर्पित होकर कार्य कर रही है।

उन्होंने विभाग को यह निष्ठा भाव बनाए रखने और हर बच्चे को शिक्षा मिले, उसे समय पर पुस्तकें, गणवेश, छात्रवृत्ति, साईकिल और अन्य आवश्यक सुविधाएं मिलें, इसके लिए सदैव प्रयत्नशील रहने के निर्देश दिए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड (ISO 9001-2015 Certified) द्वारा विद्यार्थियों के हित में कुल 11 प्रकार के नवाचार किए गए हैं। इन नवाचारों को बहुत अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। हमारा प्रयास है कि इस बोर्ड के माध्यम से हम प्रदेश के हर उस बच्चे तक पहुंचें, जो मुक्त स्कूल के जरिए शिक्षा पाना चाहता है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बिन्दु क्रमांक 16.4 में उल्लेख है कि व्यावसायिक शिक्षा को इस तरह से एकीकृत किया जाये, जिससे प्रत्येक बच्चा कम से कम एक व्यवसाय से जुड़े कौशलों को सीखे। इसी व्यवस्था के परिपालन में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना प्रारंभ की गयी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत योजना के अनुक्रम में कौशल वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से एक महत्वाकांपायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ किया गया है।

इसमें हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, माटी कला, सोलर एनर्जी, परिधान निर्माण, बांस कला इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रारंभ किए जा रहे है। प्रशिक्षित होने वाले लोग एक ओर रोजगार से जुड़ेंगे, वहीं दूसरी ओर कक्षा 6 से प्रारंभ होने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एक रिसोर्सपर्सन के रूप में भी उपलब्ध होंगे। इस योजना में प्रदेश के 100 आकांयुवाओं को आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

रूक जाना नहीं योजना

मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड भोपाल एक शैक्षणिक संस्था है और सबके लिए शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति के लिए संचालित है। संस्था का अहम दायित्व है कि युवा पीढ़ी को परीक्षाओं में असफलता के भय आत्मघाती घटनाओं से बचाने के लिए सार्थक पहल करे। युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, इसे आत्मघाती कदम उठाने से बचाने, उनके भविष्य को उवल बनाने और देश की उन्नति में सहयोग करने के उद्देश्य से मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने रूक जाना नहीं योजना 2016 में प्रारंभ की थी। यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल की अनुत्तीर्ण छात्रों के लिये थी।

स्कूल मीडिया प्लेटफॉर्म

मध्यप्रदेश में स्कूल मीडिया प्लेटफॉर्म E&traChildhood.org द्वारा संचालित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के 53 एजुकेशन फॉर ऑल स्कूलों में 50 हजार से अधिक शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को मीडिया और तकनीक के माध्यम से अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने एवं इसके सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया गया है। इन स्कूलों को उनके अपने टीवी स्टेशन, रेडियो स्टेशन, ई-समाचारपत्र और मैगज़ीन प्रदान करके इस प्लेटफॉर्म के जरिए छात्रों और शिक्षकों को देश और दुनिया से जुड़ने और आपसी संवाद करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं।

ओरछा को मिलेगी वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान: प्रमुख सचिव

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा ओरछा

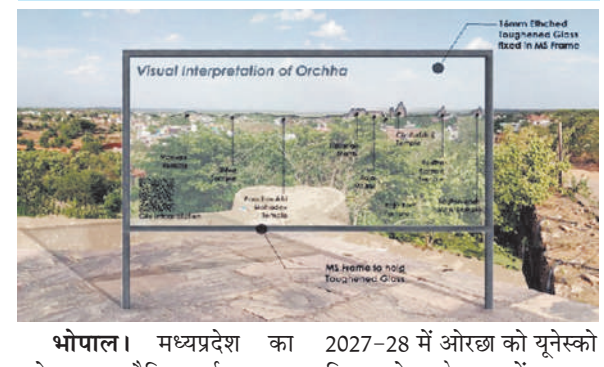

भोपाल। मध्यप्रदेश का ओरछा, अब वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर ओरछा को प्रतिष्ठित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने ओरछा में पर्यटन अधोसंरचनाओं और सुविधाओं के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना 2.0 में 25 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृति की है।

स्वीकृत राशि से ओरछा में टूरिस्ट एक्सपीरियंस सेंटर, हुनरशाला, एंट्री प्लाजा के साथ यात्रा पथ का विकास किया जाएगा। इसके पहले दिसंबर माह में विरासतों के संरक्षण और संग्रहालयों के विकास आदि के लिए 99.92 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए थे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2027-28 में ओरछा को यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दिए जाने के लिए केंद्र सरकार ने यूनेस्को को सिफारिश की है। साथ ही ओरछा को यूनेस्को की एच.यू.एल. (हिस्टोरिकल अर्बन लैंडस्केप) पहल के तहत चुना गया है।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि पर्यटन मंत्रालय ने 'स्वदेश दर्शन 2.0' उप-योजना के तहत चैलेंज?ड बेस्ड डेसटिनेशन डेवलपमेंट पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में पर्यटन स्थलों का विकास करना है। इस योजना में, 50 स्थलों (प्रत्येक राज्य में अधिकतम 5) को विकास के लिए चुना जाना है।

कांग्रेस को न्यायालय और जनता पर विश्वास नही है: रविन्द्र यति

विधायक भगवानदास सबनानी के पक्ष में निर्णय देकर न्यायालय ने कांग्रेस को दिखाया आइना

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रविंद्र यति का कहा है कि जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश ने कांग्रेस को आइना दिखा दिया है। उल्लेखनीय है कि, पिछले 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भोपाल के दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते भगवान दास सबनानी के खिलाफ जबलपुर हाईकोर्ट में कांग्रेस के उम्मीदवार रहे पीसी शर्मा की ओर से दायर की गई चुनाव याचिका खारिज हो गई है।

यति ने कहा कि कांग्रेस को न तो अदालतों पर विश्वास है और न ही जनता जनार्दन की अदालत पर। यति ने जारी बयान में कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने की आदत हो गई है। उसके नेता पांच साल जनता से कटे रहते हैं और चुनाव के वक्त जनता के बीच जाते हैं।

हार के डर से वे पहले से ही ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने लगते हैं। यदि वे जीत जाते हैं तो ईवीएम सही है, और हार जाते हैं तो कभी आरोप लगाते हैं और कभी अदालत जाकर जनता के विवेक पर सवाल उठाने लगते हैं। यति ने कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने किस प्रकार से अदालतों और जनता की अवमानना की है। खुद इंदिरा गांधी को अदालत ने .चुनाव के अयोग्य घोषित कर दिया था तो उन्होंने आपातकाल थोप दिया था। यति ने कहा कि अभी भी वक्त है कि कांग्रेस खुद में सुधार करे और जनता के जनादेश को स्वीकार करे, नहीं तो जनता कांग्रेस को इतिहास के कूडेदान में फेंकने में देर नहीं लगाएगी।

जनभागीदारी से जल गंगा संवर्धन अभियान को मिल रही गति

बैरसिया के ग्राम पंचायतों में श्रमदान के माध्यम से पोखरों का गहरीकरण एवं कुओं की साफ-सफाई की गई

भोपाल। भोपाल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी से जल संरक्षण के कार्य तेजी से जारी हैं। इन कार्यों में समाज के सभी वर्गों का सक्रिय सहयोग देखने को मिल रहा है।

गुरुवार को जनपद बैरसिया के ग्राम पंचायत बरखेड़ी हज्जाम, बीनापुर अगरिया, खजूरी, बोरदा, मुबारकपुर, कालापानी एवं सुरैया नगर में श्रमदान के माध्यम से पोखरों का गहरीकरण एवं कुओं की साफ-सफाई की गई। जिले में जनपद पंचायत बैरसिया एवं फंदा क्षेत्रों में 107 खेत तालाबों का निर्माण प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही अमृत सरोवर योजना (फेस 2.0) के अंतर्गत दामखेडा, उनींदा, परसोरा, पसैया (सेमरा), गढ़ाखुर्द एवं रमाहा ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर तालाबों का चयन किया गया है।

मनरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों को गति देते हुए 1905 प्रगतिरत कार्यों में से 837 कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, प्रत्येक प्रगतिरत कपिलधारा कूप का निर्माण भी सुनिश्चित किया जाएगा। जिले में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व वाले जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य भी समान रूप से जारी है, जिससे समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और सहभागिता को नई दिशा मिल रही है।

वन विहार में सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक 5 अप्रैल को

प्रकृति प्रेमियों और वाईल्ड लाइफ फोटोग्राफरों के लिये रोमांचक अवसर

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिये छोटे जीवों की रहस्यमयी और विविधतापूर्ण दुनिया को देखने के लिये शनिवार 5 अप्रैलको सुबह 7 से 9 बजे तक सिल्कन सीक्रेट्स नामक एक विशेष वॉक का आयोजन किया जा रहा है।

सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक का नेतृत्व प्रसिद्ध मैक्रो फोटोग्राफर आशिर कुमार करेंगे, जिन्हें 1 फ्रेममेन के नाम से जाना जाता है। वन्य-जीवों, पक्षियों, जानवरों, कीड़ों और विशेष रूप से मकड़ियों को बारीकी से कैद करने में 5 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता के साथ आशिर के काम को कैनन इण्डिया, इण्डिया टाइम्स, हिन्दुस्तान टाइम्स जैसे को अक्सर कीटों और मकड़ियों प्लेटफार्म द्वारा प्रदर्शित किया गया है। उनकी पुरस्कृत तस्वीरों को सम्पूर्ण भारत की प्रतिष्ठित दीर्घाओं में प्रदर्शित किया गया है। सिल्कन सीक्रेट्स प्रतिभागियों कीअनदेखी दुनिया में ले जायेगा, जहाँ उनके छिपे हुए जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी आवश्यक भूमिकाओं को दिखाया जायेगा। प्रसिद्ध फोटोग्राफर आशिर के मार्गदर्शन में वाईल्ड लाईफ फोटोग्राफरों को अपने मैक्रो फोटोग्राफी कौशल को निखारने और प्रकृति के छोटे-छोटे अजूबों को करीब से देखने का मौका मिलेगा। भोज वेटलैण्ड, जो 445.21 हेक्टेयर में फैला हुआ है, इसके पास स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान इस अन्वेषण के लिये एकदम सही अवसर प्रदान करता है। समृद्ध जैव विविधता, शांत परिवेश के साथ वन विहार एक की सैर के लिये एक आदर्श स्थान है।

संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान ने बताया कि सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक में भाग लेने वाले प्रतिभागी को आरामदायक जूते, पानी की बॉटल, सिर पर टोपी, मच्छर भगाने वाली क्रीम, फोटोग्राफी के लिये कैमरा या मोबाइल फोन अवश्य साथ लायें।

नीति आयोग से आकांक्षी जिला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

भोपाल। आकांक्षी ज़िला के सतत प्रयासों का परिणाम है। कार्यक्रम में खंडवा ज़िले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने खंडवा के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने बेहतर कार्यों के लिये खंडवा ज़िले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की उपलब्धि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांज़िला कार्यक्रम में इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। ज़िले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई। खंडवा ज़िले में मातृ स्वास्थ्य में सुधार के लिये गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए नवीन प्रसव केंद्र स्थापित किए गए।

चिन्हित उप-स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसूति संबंधी समस्त आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गयी, इससे घर पर प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई।

सुरक्षा के दृष्टिगत पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में पूरी बाउंड्री वॉल का निर्माण करें: संभागायुक्त

यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

भोपाल। संभागायुक्त संजीव सिंह ने पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय, चिकित्सालय एवं छात्रावास परिसर में पूरी बाउंड्रीवाल निर्मित करने के निर्देश दिए। साथ ही महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय एवं पीजी भवन के रिपेयरिंग कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराए जाने एवं महाविद्यालय में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की प्रक्रिया हेतु अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त सिंह ने गुरुवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक ली।

बैठक में संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, प्रतिनिधि आयुक्त संचालनालय डॉ. पंकज गुप्ता, प्रधानाचार्य हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. महमुदा बेगम, पंडित खुशीलाल चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य उमेश शुक्ला एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त सिंह ने महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय में कैजुअल्टी वार्ड विकसित करने हेतु आवश्यक उपकरणों के क्रय करने, डिजिटल एक्स-रे मशीन, चिकित्सालय एवं महिला छात्रावास में अग्निशमन उपकरण, नवीन महिला छात्रावास में वाटर कूलर क्रय करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया।

10 जल विद्युत गृहों ने उत्पादित की 2757 मिलियन यूनिट बिजली: तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2694 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जल विद्युत गृहों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2757 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2020-21 के बाद यह उपलब्धि? हासिल की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत उत्पादन क्षमता 915 मेगावाट है मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इस उपलब्धि में 90 मेगावाट स्थापित क्षमता के रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, 160 मेगवाट स्थापित क्षमता के पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, 315 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-एक टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर, 20 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-4 जल विद्युत गृह झिन्ना, 45 मेगावाट स्थापित क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह और 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह ने प्रमुख योगदान दिया। इन सभी विद्युत गृहों ने अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य से अधिक विद्युत उत्पादन किया। बाणसागर--2 जल विद्युत गृह सिलपारा व बाणसागर--3 जल विद्युत गृह देवलोंद ने भी नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य से अधिक किया जल विद्युत उत्पादन